www.mumbaitarang.com
RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

MUMBAI TARANG

मुंबई तरंग

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल
उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-22 ❖ मुंबई ❖ रविवार 23 से 29 मई 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

सफलता हाथों की लकीरों में नहीं माथे के पसीनो में मिलती है

जय श्री राम
Yogi 8156045100 8401376537
Bimal Patel 8401886537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

पेज 3
मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को है विश्वास, प्रधानमंत्री करेंगे मदद

पेज 5
कोरोना के साथ ब्लैक फंगस सिर्फ भारत में, PM कभी भी कर सकते हैं थाली बजाने की घोषणा-राहुल गांधी

पेज 7
महामारी की मार... टिस्का बनी मददगार टिस्का चोपड़ा

पेज 8
लॉकडाउन खुलेगा या अभी जारी रहेगी सख्ती? जानें राज्य सरकारों का क्या है मूड

जिंदगी का दुश्मन साबित हो रहा मई का महीना

दिल्ली में मृत्यु दर सबसे ज्यादा, पंजाब दूसरे नंबर पर

नई दिल्ली, मई के महीने में कोविड-19 महामारी से मृत्यु दर तेजी से बढ़ी है। यह हाल किसी एक राज्य का नहीं, बल्कि पूरे देश का है। मई के शुरुआती तीन हफ्तों (21 मई तक) के आंकड़े देखें तो बड़े राज्यों में दिल्ली का केस फैटलिटी रेट (CFR) सबसे ज्यादा रहा है। यहां मई के पहले तीन हफ्तों में 6,684 मरीजों की मौत हुई और मृत्यु दर 2.54% रही। दूसरे नंबर पर पंजाब रहा जहां इतने ही समय में 2.46% की दर से 3,874 मौतें दर्ज की गईं।

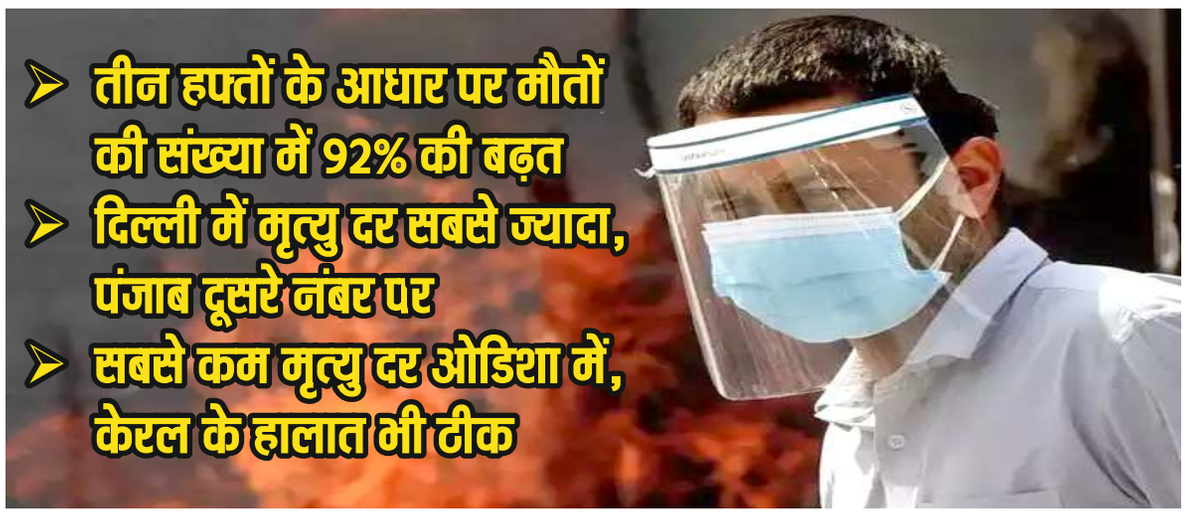

राजधानी में 21 मई तक 2.63 लाख से थोड़े ज्यादा मामले दर्ज किए गए और 6,684 मौतें हुईं। इस दौरान दिल्ली में मृत्यु दर (2.54%) इससे पहले के तीन हफ्तों में दर्ज CFR 1.12% के दोगुने से भी ज्यादा रही। दिल्ली में ओवरऑल C F R 1.63% रही। मई के महीने में राष्ट्रीय स्तर पर भी मृत्यु दर में अच्छा-खासा उछाल देखा गया। 21 मई तक CFR 1.17% रही जो कि इससे पहले के तीन हफ्तों (10 अप्रैल-30 अप्रैल) के बीच 0.73% थी।

8 मई के बाद से लगातार घटे केसेज, मगर मौतें कम नहीं हुईं

भारत में 21 मई तक 83,135 मौतें दर्ज की गईं जो कि उसके पिछले तीन हफ्तों में दर्ज 43,258 मौतों से 92 प्रतिशत ज्यादा हैं। इसके मुकाबले केसेज के आंकड़े देखें तो वह 10-20 अप्रैल के बीच 59.5 लाख से 20% बढ़कर 1-21 मई के बीच 71.3 लाख तक पहुंच गए। यानी केसेज के मुकाबले मौतों में तीन गुने से भी ज्यादा उछाल देखा गया। 8 मई को पीक के बाद से ही केसेज लगातार कम हो रहे हैं मगर मौतों का आंकड़ा काफी धीमी रफ्तार से नीचे आ रहा है। शायद इसके पीछे आमतौर पर केसेज और मौतों के बीच दिखने वाला दो सप्ताह का अंतर हो। देश में ओवरऑल CFR 1.13% है। उत्तराखंड, जहां इस साल कुंभ का आयोजन हुआ, वहां का CFR 2.34% है जो कि देश में इस लिहाज से तीसरे नंबर पर है। 10-30 अप्रैल के बीच वहां की मृत्यु दर 1.18% थी। उच्च मृत्यु दर वाले अन्य राज्यों में झारखंड (2.24%), गोवा (2.14%) और महाराष्ट्र (1.85%) शामिल हैं। महाराष्ट्र में मई महीने में सर्वाधिक 17,097 मौतें दर्ज की गईं। वहां 10-30 अप्रैल के बीच मृत्यु दर 0.87% रही थी।

कोरोना संकटः तेजी से बदल रहे हैं हालात, देश में ऑक्सीजन की मांग में 900 मीट्रिक टन की कमी

कोरोना की दूसरी लहर की शुरुआत के साथ ही देश में मेडिकल ऑक्सीजन की किल्लत भी देखने को मिली थी। मरीज के परिजन ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए दर-बदर भटक रहे थे। हालांकि पिछले 72 घंटों में अस्पतालों में मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति के साथ देश में ऑक्सीजन संकट के कम होने के शुरुआती संकेत दिखाई दे रहे हैं। आपके बता दें कि एक महीवे में यह पहली बार देखने को मिल रहा है, जो कि राहत देने वाली बात है 'द इंडियन एक्सप्रेस' की रिपोर्ट के मुताबिक, एक अधिकारी ने कहा, "वास्तविक खपत लगभग 8,900 मीट्रिक टन प्रतिदिन से घटकर 8,000 मीट्रिक टन हो गई है।" आपको यह भी बता दें कि आपूर्ति की गई मात्रा में गिरावट आई है, लेकिन यह अभी भी कोविड -19 की पहली लहर के दौरान दर्ज की गई मांग से बहुत अधिक है। ऑक्सीजन आपूर्ति के साथ काम करने वाले अधिकारियों के एक अधिकार प्राप्त समूह द्वारा बनाए गए डेटा से पता चलता है कि अस्पतालों को आपूर्ति की गई कुल ऑक्सीजन 9 मई को प्रति दिन 8,944 मीट्रिक टन (एमटी) के शिखर पर पहुंच गई, जो 18-19 मई को प्रति दिन लगभग 8,100 मीट्रिक टन हो गई। हालांकि, यह 20 मई को एक बार फिर मामूली रूप से बढ़कर 8,334 मीट्रिक टन हो गई है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने आधी रात को हुई सुनवाई में मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह की गिरफ्तारी पर लगाई रोक

मुंबई, बॉम्बे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को अकोला पुलिस की एक शिकायत के आधार पर मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह के खिलाफ दर्ज एक मामले में उन्हें गिरफ्तार न करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति एसजे कथावाला और न्यायमूर्ति एसपी तावड़े की अवकाशकालीन पीठ ने राज्य सरकार को परमबीर सिंह को गिरफ्तार नहीं करने का आदेश देते हुए मामले की सुनवाई सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी है। पिछली सुनवाई के दौरान महाराष्ट्र सरकार ने दलील दी थी कि परम बीर सिंह को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। हालांकि, राज्य महाराष्ट्र सरकार की ओर इस बार हुई सुनवाई में पेश हुए अधिवक्ता डेरियस खंबाटा ने कहा कि अब उनकी गिरफ्तारी और नहीं टाली जा सकती है। उन्होंने कहा, 'मैं बयान देने की स्थिति में नहीं हूं। यह एससी/एसटी अधिनियम के तहत एक बहुत ही गंभीर मामला है। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि हम उसे रातों-रात गिरफ्तार कर लेंगे,

लेकिन मैं जांच पर कोई झंझट नहीं चाहता।' वहीं, राज्य सरकार ने परमबीर सिंह के खिलाफ कुछ पूछताछ भी शुरू की है। उनके खिलाफ एससी/एसटी अधिनियम और कई अन्य अपराधों के तहत एक एफआईआर भी दर्ज की गई है, जिसकी जांच ठाणे पुलिस कर रही है। वहीं, महाराष्ट्र होमगार्ड के महानिदेशक (डीजी) परमबीर सिंह ने आरोप लगाया है कि उनके खिलाफ बदले की कार्रवाई के चलते एफआईआर दर्ज की गई है। उन्होंने एक याचिका दायर कर उनके खिलाफ हो रही जांच को रोकने की भी मांग की है। वहीं, महाराष्ट्र सरकार के अधिवक्ता खंबाटा ने तर्क दिया कि परमबीर सिंह को सुरक्षा मिलने के बाद उन्होंने यहां की अदालत में इसका खुलासा किए बिना सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। वहीं, परमबीर सिंह की ओर से पेश वकील महेश जेठमलानी ने दलील दी कि पिछली सुनवाई के समय याचिका दायर नहीं की गई थी।

महाराष्ट्र के राज्यपाल के पास विधान परिषद के नामित सदस्यों के लिए कैबिनेट द्वारा भेजी गई सूची नहीं

मुंबई, महाराष्ट्र के राज्यपाल सचिवालय ने कहा है कि राज्य विधान परिषद के लिए राज्यपाल द्वारा नामित किए जाने सदस्यों की सूची उपलब्ध नहीं है। इस संबंध में आरटीआइ से मांगा गया जवाब शनिवार को सामने आया है। विधान परिषद के नामित सदस्यों के लिए कैबिनेट द्वारा 2020 में भेजी गई सूची उपलब्ध नहीं राजभवन भेजी गई सूची को महाराष्ट्र कैबिनेट ने नवंबर 2020 में मंजूरी दी थी। 22 अप्रैल को आरटीआइ कार्यकर्ता अनिल गालगाली ने आवेदन देकर उस सूची का ब्योरा मांगा था। राज्यपाल सचिवालय ने कहा है कि विधान परिषद के नामित सदस्यों के लिए राज्य कैबिनेट द्वारा भेजी गई सूची उसके पास उपलब्ध नहीं है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा- राजभवन को सूची भेजी जा चुकी है गालगाली ने मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा राजभवन को सौंपे गए प्रस्ताव की स्थिति बताने की मांग करते हुए आवेदन दाखिल किया था। राजभवन के अवर सचिव जयराम चौधरी ने दो दिनों पहले सूचित किया कि यह (सूची) उनके पास उपलब्ध नहीं है।

महाराष्ट्र में 1 जून से चरणबद्ध तरीके से हट सकती हैं लॉकडाउन संबंधी पाबंदियां, मंत्री ने दिए संकेत

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा है कि महाराष्ट्र सरकार मई के आखिरी हफ्ते में स्थिति की समीक्षा करेगी.

मुंबई. महाराष्ट्र में कोरोना वायरस संक्रमण की पॉजिटिविटी दर अब 10 फीसदी के आसपास हो गई है. ऐसे में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने शनिवार को संकेत दिए कि सरकार महाराष्ट्र में 1 जून से लॉकडाउन संबंधी पाबंदियों को चरणबद्ध तरीके से हटाने पर विचार कर रही है. वहीं अफसरों ने दावा किया है कि उनके पास पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाएं और दवाएं मौजूद हैं. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा है कि महाराष्ट्र सरकार मई के आखिरी हफ्ते में स्थिति की समीक्षा करेगी. अगर राज्य में कोरोना की पॉजिटिविटी रेट 10 फीसदी से कम हो जाती है और संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या भी घटती है तो सरकार पाबंदियों में कुछ ढील देने पर विचार कर सकती है.

उन्होंने यह भी कहा कि कोरोना की तीसरी लहर की आशंकाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार सावधानीपरक नजरिया अपनाएगी. मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे अंतिम निर्णय की घोषणा करेंगे. अगर कोरोना संक्रमण के सक्रिय केस में कमी आती है और अस्पतालों में 50 फीसदी बेड खाली हो जाते हैं तो प्रशासनिक स्तर पर पाबंदियों में ढील संबंधी विचार किया जा सकता है. बता दें कि महाराष्ट्र में शुरुआती दौर में कोरोना संक्रमण से हालात बेकाबू थे. कई हफ्ते तक राज्य की पॉजिटिविटी रेट सर्वाधिक रही थी. अब राज्य में पॉजिटिविटी रेट 15 फीसदी से कम हुई है. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार महाराष्ट्र में इस समय पॉजिटिविटी रेट 12 फीसदी है.

सबको मिलेगी मदद!

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने किया कोकण का दौरा तौकते प्रभावितों को दिया वचन

रत्नागिरी, 'तौकते' चक्रवात के चलते कोकणवासियों का बड़ा नुकसान हुआ है। इस तूफान से प्रभावित लोगों के साथ सरकार है। जो भी मदद की जा सकती है, वह किए बिना हम नहीं बैठेंगे। मदद का आदेश तत्काल दिया गया है। आगामी दो से तीन दिन में पंचनामा पूरा होगा, इसकी रिपोर्ट आने के बाद हम मदद के संदर्भ में निर्णय लेंगे। कोई भी मदद से वंचित नहीं रहेगा। पैकेज पर मुझे विश्वास नहीं। जो जरूरी है, वह सभी के लिए करेंगे, ऐसा वचन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कल रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग दौरे के दौरान कोकणवासियों को दिया।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने दौरे के दरम्यान कोकण तटीय क्षेत्रों के प्रभावित हिस्सों का निरीक्षण किया। इसी तरह समीक्षा बैठक कर जिलाधिकारियों से हुए नुकसान की जानकारी हासिल की। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि कोकणवासियों को राहत देने के लिए मैं यहां आया हूं। प्रत्यक्ष रूप से पंचनामा होने के बाद नुकसान का अनुमान लगाकर मदद के बारे में निर्णय लिया जाएगा। कोरोना के दौरान 'तौकते' चक्रवात ने उसमें और भी संकट बढ़ा दिया है। दुर्भाग्य से कुछ मौतें हुई हैं। किस आधार पर मदद की जाए, इसकी समीक्षा करने के बाद ही यह तय किया जाएगा। कृषि व फल बाग का पंचनामा दो दिन में करने का आदेश भी उन्होंने इस बैठक के दौरान दिया। रत्नागिरी जिले में चक्रवाती तूफान के कारण हुए नुकसान का निरीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कल समीक्षा बैठक की।

बेघरों को मिलेगा घर! एमएमआरडीए इमारतों में किए जाएंगे शिफ्ट

भायंदर, सोमवार को अरब सागर में आए 'तौकते' चक्रवाती तूफान के कारण भायंदर-पश्चिम स्थित शिवसेना गली की 'शिवम' नामक इमारत का एक हिस्सा ढह गया था। इस हादसे में ३९ परिवार बेघर हो गए थे। इन सभी को अन्यत्र पुनर्वसित करने व उचित मुआवजा देने की मांग स्थानीय विधायक गीता जैन ने ठाणे जिलाधिकारी राजेश नार्वेकर व पालक मंत्री एकनाथ शिंदे से की थी। इसके बाद पालक मंत्री ने सभी प्रभावितों को एमएमआरडीए की इमारत में घर उपलब्ध कराने का आदेश दिया है। बता दें कि 'तौकते' तूफान के कारण मंगलवार सुबह ५.३० बजे के करीब यह हादसा हुआ था। मौके पर तत्काल मनपा आयुक्त दिलीप ढोले और स्थानीय विधायक गीता जैन पहुंची थीं। पीड़ितों को पास के स्कूल में अस्थाई रूप से स्थानांतरित किया गया और आयुक्त के निर्देश पर सभी के लिए खाने-पीने की व्यवस्था की गई। जब घटनास्थल पर राहत व बचाव कार्य चल रहा था तब स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनपा अधिकारियों के साथ धक्का-मुक्की कर कार्य में अड़ंगा डालने का प्रयास भी किया। इस कारण कई लोगों पर भायंदर पुलिस स्टेशन में मामला भी दर्ज कराया गया है। मनपा उपायुक्त (अतिक्रमण) अजित मुठे ने बताया कि वे लोग चाहते थे कि उनके सामान को पहले निकाला जाए, जबकि यह संभव नहीं था, क्योंकि उपर जाने का कोई मार्ग ही नहीं था।

तूफान से तबाही

चक्रवाती तूफान तौकते ने कमजोर पड़ने से पहले देश के पश्चिमी तट पर स्थित केरल, कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र और खासकर गुजरात में भारी तबाही मचाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को गुजरात के तूफान पीड़ित इलाकों का हवाई दौरा करके खुद नुकसान का जायजा लिया। हालांकि पहले से जानकारी मिल जाने के कारण बचाव की काफी कुछ तैयारी कर ली गई थी। इस वजह से हताहतों की संख्या वैसी भयावह नहीं रही जैसी ऐसे तूफानों में आम तौर पर होती है। लेकिन बात समंदर के अंदर की करें तो आसपास के इलाकों में जहाजों के फंसने की वजह से बड़ी संख्या में यात्रियों की जान खतरे में पड़ी। नौसेना और तटरक्षक दलों की सामयिक कार्रवाई की बदौलत उनमें से ज्यादातर को बचा लिया गया, लेकिन अब भी बहुत सारे लोग लापता हैं। यह देखा जाना चाहिए कि जब तूफान की सूचना पहले से उपलब्ध थी तो ये जहाज इतनी बड़ी संख्या में यात्रियों को

लिए सागर में फंसे क्यों रह गए। क्या समय से इन्हें सुरक्षित तटों पर पहुंचाने या इनके यात्रियों को पहले ही निकाल लाने की कोई व्यवस्था नहीं हो सकती थी? यह सबक आगे की चुनौतियों से निपटने में हमारी मदद करेगा। यह भी सच है कि ऐसे भीषण तूफानों से बचाव की व्यवस्था एक सीमा तक ही की जा सकती है। विभिन्न राज्यों में तटवर्ती इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहले ही पहुंचा दिया गया था, मगर बड़ी संख्या में जो पेड़ गिरे, घरों की छतें उड़ीं, होटलों-मकानों के शीशे टूटे, खिड़की-दरवाजे उखड़े, सड़कों पर रखे लोहे के बैरिकेड्स गिरे, बिजली के खंभे टूटे और खासकर खेतों में खड़ी फसलें उजड़ीं- उन सबसे बचने का कोई उपाय नहीं था। इन तमाम नुकसानों का आकलन किया जा रहा है। लेकिन जो बात इस तूफान को ज्यादा खतरनाक बना रही है वह है इसकी टाइमिंग। तूफान ने ऐसे समय दस्तक दी, जब देश कोरोना की दूसरी लहर से जूझ रहा है।

सरकारी तंत्र का बड़ा हिस्सा जी जान से उसमें लगा था। तूफान ने देश के एक बड़े हिस्से में उस काम को तात्कालिक तौर पर रोकने को मजबूर कर दिया। मुंबई में बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित सबसे बड़ा वैक्सिनेशन सेंटर कई दिन पहले ही बंद कर देना पड़ा। कई जगहों से कोरोना मरीजों को भी सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करना पड़ा। तूफान के चलते कई इलाकों में बिजली सप्लाई पर भी असर पड़ा है। यह देखना होगा कि गंभीर हालत में पड़े मरीजों के इलाज में इस वजह से कोई बाधा न आए। पहले ही ऑक्सिजन, दवा और इलाज की कमी ने मरीजों और उनके परिजनों का बुरा हाल कर रखा है। तौकते का एक संदेश यह भी है कि जलवायु परिवर्तन और गर्म समुद्री लहरों जैसे कारकों के चलते हमें ऐसे और तूफानों का सामना करने को तैयार रहना पड़ेगा।

इस्राइल-फलस्तीन विवाद: रुके हिंसा का यह दौर

किरीट ए. चावड़ा

इस्राइल और फलस्तीन के बीच पिछले एक हफ्ते से जारी भीषण गोलाबारी से चिंतित वैश्विक समुदाय ने ठीक ही अपील की है कि सबसे पहले दोनों पक्षों के बीच तनाव कम करने का उपाय किया जाए। हिंसा के इस ताजा दौर में डेढ़ सौ से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है, इसके बावजूद दोनों में से कोई भी पक्ष युद्धविराम के लिए तैयार नहीं दिख रहा। रविवार को हुई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में भारत ने भी जोर देकर कहा कि वहां तत्काल तनाव कम करना वक्त की जरूरत है। इससे इनकार नहीं कि इस्राइल और फलस्तीन के बीच विवाद पुराना है और बीच-बीच में इनमें हिंसक झड़प भी होती रही है। लेकिन इस तरह की हिंसा वहां 2014 से नहीं हुई थी। जाहिर है, यह हिंसा जारी रही तो इसके और फैलने की आशंका बढ़ेगी। इसलिए यह वक्त इन सवालों में जाने का नहीं है कि हिंसा किसकी तरफ से क्यों शुरू हुई थी और इसके लिए दोनों पक्षों में से कौन कितना जिम्मेदार है। अहम तथ्य यह है कि इस हिंसा की कीमत न केवल दोनों तरफ के बेकसूर नागरिक अपनी जान देकर चुका रहे हैं बल्कि वे लोग भी इसका शिकार हो रहे हैं, जिनका दोनों

पक्षों के बीच जारी विवाद से भी किसी तरह का कोई लेना-देना नहीं है। जहां इस्राइली मिसाइल ने गाजा में मीडियाकर्मियों के दफ्तरों को निशाना बनाया, वहीं फलस्तीनी हमले का शिकार बनने वालों में युवा हिंदुस्तानी नर्स सौम्या संतोष भी हैं, जो वहां जिंदगी बचाने का काम कर रही थीं। बावजूद इसके दोनों में से कोई भी पक्ष हिंसा रोकने की तैयारी नहीं दिखा रहा तो यह साफ है कि मामला सिर्फ किसी खास कार्रवाई का जवाब देने या अपनी रक्षा के अधिकार का इस्तेमाल करने का नहीं है। हिंसा का यह दौर जहां हमास जैसे अतिवादी संगठन को फलस्तीनी समाज में अपनी पैठ बढ़ाने का मौका दे रहा है, वहीं अल्पमत में आ चुकी नेतन्याहू सरकार को अस्तित्व बचाने का आखिरी अवसर भी मुहैया करा रहा है। लेकिन जब दुनिया पहले से ही कोरोना वायरस की भीषण चुनौती का सामना कर रही हो, तो ऐसे में हिंसा की इस चिंगारी के लिए दावानल बनने का मौका नहीं छोड़ा जा सकता।

बेशक यह विवाद पुराना है और दोनों में से किसी भी पक्ष को रातोंरात किसी खास फॉर्म्यूले पर सहमत कराना मुश्किल है, लेकिन जब तक ऐसा नहीं होता, तब तक यथास्थिति को बदलने की इकतरफा कोशिश न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए भी दोनों पक्षों में न्यूनतम विश्वास कायम करना जरूरी है। वह काम दोनों पक्षों के बीच बातचीत से ही हो सकता। है। उम्मीद की जाए कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अपील के बाद अंतरराष्ट्रीय बिरादरी का हस्तक्षेप दोनों पक्षों को इस ओर ले जाने में सफल होगा।

जब इंदिरा के इशारे पर गिरी सरकार

जिगर डी वाढेर

24 जनवरी 1979, जनता पार्टी के आंतरिक कलह का यादगार दिन रहा है। इसी दिन मोरारजी मंत्रिमंडल में चौधरी चरण सिंह को पुनः उप प्रधान मंत्री एवं वित्त मंत्री की शपथ दिलाई गई। इससे पूर्व चौधरी चरण सिंह, राजनारायण और इनके कई करीबी मंत्री मोरारजी सरकार से अलग किए जा चुके थे। जनता पार्टी में उस समय के सभी शीर्ष नेताओं में चौधरी चरण सिंह सर्वाधिक जनाधार वाले नेता थे। उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा और ओडिशा में पूर्ववर्ती लोकदल की सरकारें थीं। यूं तो जनता पार्टी सत्तासीन होते ही अंतर्कलह की दास्तान लिख चुकी थी, जब मंत्रिमंडल गठन के समय मोरारजी समर्थक आधा दर्जन नेता मंत्रिपरिषद में स्थान पा चुके थे, जबकि उनके समर्थक सांसदों की संख्या 25 थी। दूसरी तरफ 100 से अधिक सांसदों वाले चौधरी चरण सिंह गुट से सिर्फ चार नेताओं को ही मंत्रिपरिषद में जगह मिल पाई थी, जिनमें खुद चौधरी चरण सिंह के अलावा राजनारायण, बीजू पटनायक और एचएम पटेल शामिल थे। पटेल, जो कि गुजरात के सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी थे, उन्हें वित्त मंत्रालय का प्रभार दिया गया। उन्हें मोरारजी भाई का भी करीबी माना जाता था।

जनता पार्टी में आंतरिक कलह दिन-प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा था। 23 दिसंबर, 1978 को बोट क्लब पर हुई किसान रैली संख्या बल के आधार पर पुराने कीर्तिमान तोड़ चुकी थी। चौधरी चरण सिंह के जन्मदिन के अवसर पर मोरारजी देसाई का बेरुखा व्यवहार भी इस अंतर्कलह को नए आयाम तक पहुंचाने का काम कर गया, जब उन्होंने चौधरी साहब को जन्मदिन की शुभकामनाएं देना भी मुनासिब नहीं समझा। इसके विपरीत श्रीमती इंदिरा गांधी ने गुलदस्ता भेज चरण सिंह को जन्मदिन की शुभकामनाएं प्रेषित कर भावी राजनीति और गठबंधन के संकेतों को भी हवा दे दी थी। सरकार और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की चेतावनी के बावजूद कई मुख्यमंत्री समेत दर्जनों मंत्री इस रैली में हिस्सा ले चुके थे और विभाजन स्पष्ट दिख रहा था। जॉर्ज फर्नांडिस, लाल कृष्ण आडवाणी, बीजू पटनायक सरीखे नेताओं के इस्तीफे की चर्चा अखबारों की सुर्खियां बन रही थीं।

कर दी ऐतिहासिक गलती

इसी बीच एक और रोचक घटनाक्रम के तहत नए राजनीतिक जोड़-तोड़ के दरवाजे खुलते दिखने लगे, जब चौधरी चरण सिंह के पौत्र जयंत चौधरी के जन्मदिन के अवसर पर श्रीमती इंदिरा गांधी दिल्ली में उनके निवास स्थान पर उपस्थित हो गईं। पूर्व रक्षा राज्य मंत्री स्व. जगवीर सिंह और मैं स्वयं श्रीमती गांधी के विलिंगटन क्रिसेंट स्थित निवास पर निमंत्रण देने गए थे। आरके धवन ने गर्मजोशी के साथ न केवल हमारी मुलाकात श्रीमती गांधी से कराई थी, बल्कि समारोह में शामिल होने के संकेत भी दिए। इस समारोह में इंदिरा गांधी की उपस्थिति ने राजनीतिक तापमान को बढ़ा दिया। चरण सिंह और उनके समर्थकों को वापस लेने, जनता पार्टी में सुलह करने की अपील जय प्रकाश नारायण द्वारा भी की जा चुकी थी। इसमें दो राय नहीं कि इस फूट का फायदा निरंतर कांग्रेस पार्टी को मिल रहा था। कर्नाटक के चिकमगलूर के एक उपचुनाव में श्रीमती गांधी की बड़े अंतर से हुई जीत भविष्य की राजनीति की पटकथा लिख चुकी थी। ऐसे कई अन्य दबावों और झंझावातों के कारण निरंतर कमजोर दिखती पार्टी और सरकार को मजबूरन चौधरी चरण सिंह को उप प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलानी पड़ी और वित्त मंत्रालय का पदभार भी सौंपना पड़ा। लेकिन उस समय के रणनीतिकार एक ऐतिहासिक गलती कर गए, जब स्व. राजनारायण को मंत्रिमंडल से बाहर रखा। आगे चलकर यह पार्टी की टूट की बड़ी वजह भी बनी। राजनारायण भी अपने अपमान का बदला लेने के अवसर की तलाश में लग गए। जनता पार्टी का नेतृत्व चौधरी चरण सिंह समर्थक मुख्यमंत्रियों को अपदस्थ करने की मुहिम छेड़ चुका था। किसान रैली के सबसे बड़े समर्थक चौधरी देवीलाल को हटाकर उनके स्थान पर पुराने कांग्रेसी नेता भजन लाल को मुख्यमंत्री बनाया गया, जो 1980 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी के विजयी होने के तुरंत बाद पूरे मंत्रिमंडल के साथ कांग्रेस में चले गए। यह दल-बदल की अनोखी दास्तान थी और जनता पार्टी के अनुभवहीन नेतृत्व की परीक्षा भी। उत्तर प्रदेश में राम नरेश यादव को अपदस्थ किया गया। आरक्षण प्रक्रिया लागू होने के बाद कर्पूरी ठाकुर देश के पिछड़े समुदाय के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हो चुके थे। उनके अपदस्थ होते ही लोकदल और समाजवादी खेमे में खलबली मच गई। कर्पूरी ठाकुर और चौधरी देवीलाल ने घोषणा कर दी थी कि जिन्होंने हमारी झोपड़ी जलाई है, अब हम उनके महल ध्वस्त करेंगे। राजनारायण ऐसे ही मौके की तलाश में थे।

इस्तीफा-दर-इस्तीफा

जुलाई 1979 का संसद सत्र प्रारंभ होते ही राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गईं। राजनारायण, देवीलाल, कर्पूरी ठाकुर खुले तौर पर मोरारजी भाई को अपदस्थ करने की मुहिम में जुट गए। इस मुहिम को प्रखर समाजवादी नेता मधु लिमये का भी परोक्ष समर्थन प्राप्त हुआ। जनता पार्टी के संसदीय दल से इस्तीफा देने वाले 5 सांसद कर्पूरी ठाकुर और राजनारायण के समर्थक थे। सांसदों का पार्टी से इस्तीफा देने का सिलसिला लगातार तेज होता रहा। ऐसा भी लगने लगा कि सरकार अल्पमत में आ गई है। इस्तीफा देने वाले अंतिम नेता चौधरी साहब ही थे। किसान राजनीति की प्रतिबद्धता के कारण अकाली दल भी सरकार का साथ छोड़ चौधरी साहब के साथ शामिल हो गया। मोरारजी देसाई के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान ही श्री देसाई द्वारा त्यागपत्र दे दिया गया और इंदिरा गांधी के हाथ में नई सरकार बनाने की कुंजी भी आ गई।

अब ब्लैक फंगस के इंजेक्शन की कालाबाजारी

भूपेन्द्र पटेल

पिछले दिनों मध्य प्रदेश के इंदौर में एक युवा महिला ने सोशल मीडिया पर एक विडियो जारी किया। उनके पति को पहले कोरोना हुआ, फिर ब्लैक फंगस। विडियो में उस महिला ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह से गुहार लगाते हुए कहा कि अगर आज इंजेक्शन नहीं मिलते हैं तो वह आत्महत्या कर लेगी।

दरअसल, जो लोग कोरोना से ठीक हो रहे हैं, उनमें से कुछ में ब्लैक फंगस (म्यूकोर्मिकोसिस) नाम की बीमारी देखी जा रही है। ब्लैक फंगस आमतौर पर मिट्टी, पौधों, खाद और सड़ने वाले फलों और सब्जियों में पाए जाने वाले म्यूकर मोल्ड के संपर्क में आने के बाद होता है, लेकिन अभी तो यह कोरोना से ठीक हो चुके लोगों के लिए परेशानी की बड़ी वजह बन चुका है। यह धमनियों को क्रॉस करके उन्हें खत्म कर देता है। जहां-जहां यह फैलता है, उस एरिया में काला निशान पड़ जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसा इलाज के दौरान प्रयोग किए गए स्टेरॉयड के कारण हो रहा है।

लगभग हर राज्य में ही इसके मामले सामने आ रहे हैं। झारखंड में अब तक 35 से अधिक मामले सामने आए हैं। चंडीगढ़ में एक वर्ष में म्यूकोर्मिकोसिस के मामलों में 35 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। वहीं मध्य प्रदेश में 50, राजस्थान में 100, दिल्ली में 150, बिहार 50 मामले सामने आए हैं। महाराष्ट्र में 2000 से अधिक म्यूकोर्मिकोसिस रोगी हैं और इस फंगल संक्रमण के कारण आठ मौतें हुई हैं। यही नहीं ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस, ऑस्ट्रिया, ब्राजील और मेक्सिको सहित कई अन्य देशों में ब्लैक फंगस के मामले सामने आए हैं, लेकिन भारत में इनकी संख्या काफी है।

यहां पर सवाल उठ सकता है कि इतने ही केसेस में क्यों लोगों को सोशल मीडिया पर इसकी दवा के लिए गुहार लगानी पड़ रही है? जिस तरह से देश भर में रेमडेसेवियर की मारामारी है, अब सोशल मीडिया में इस बीमारी में लगने वाले इंजेक्शन एम्फोटेरिसिन-बी की भी मारामारी देखने को मिल रही है। बाजार में इसकी डिमांड बढ़ने के साथ माना जा रहा है कि इसकी कालाबाजारी भी शुरू हो गई है। इंडियन फॉर्मासिस्ट्स एसोसिएशन के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर के अलावा आसपास के राज्यों में भी यह इंजेक्शन गायब हो चुका है। वहीं कुछ शहरों में लोगों को यह इंजेक्शन ब्लैक में खरीदना पड़ रहा है। ऐसे ही कानपुर में कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के पदाधिकारियों ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को पत्र भेजकर कहा कि रेमडेसेवियर के बाद अब ब्लैक फंगस इंजेक्शन की किल्लत हो गई है। इसकी कालाबाजारी की आशंका है, इसलिए इसके इलाज उपचार में इस्तेमाल होने वाले सभी इंजेक्शन की आपूर्ति केंद्र सरकार तुरंत अपने हाथ में ले। वहीं सिप्ला कंपनी के लिए रेमडेसेवियर जैसी दवा बनाने वाली कमला लाइफ साइंसेज लैब के मुताबिक ब्लैक फंगस के लिए इस्तेमाल होने वाले इंजेक्शन का कुछ प्रॉडक्शन उसने किया था। बाद में रॉ-मटीरियल उपलब्ध नहीं होने से इसका प्रॉडक्शन नहीं हो पा रहा। हालांकि सरकार ने दवा कंपनियों से इसका प्रॉडक्शन बढ़ाने को कहा है।

नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) के अनुसार भारत में यह दवा भारत सीरम ऐंड वैक्सीन, वोकहार्ट, एबॉट हेल्थकेयर, यूनाइटेड बायोटेक, सन फार्मा और सिप्ला जैसी कंपनियां बनाती हैं। मांग के मुताबिक इंजेक्शन के निर्माण में 8 से 10 दिन का वक्त लग सकता है। इस इंजेक्शन का प्रॉडक्शन करने वाली लैब का कहना है कि ब्लैक फंगस जैसी बीमारी के लिए इस्तेमाल होने वाले इंजेक्शन की डिमांड पहले ज्यादा नहीं थी, जिसके चलते इसका उत्पादन कम किया जा रहा था। अचानक इसकी डिमांड बढ़ने से बाजार से यह इंजेक्शन गायब हो रहा है।

फिलहाल, केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों को निर्देश दिए हैं कि इसे पहले उन अस्पतालों में उपलब्ध कराया जाए, जहां कोरोना के मरीजों का इलाज चल रहा है। इस दवा की सप्लाई पर एनपीपीए नजर रखेगा। लेकिन अब तक इस सवाल का जवाब नहीं मिला है कि इसकी कालाबाजारी पर लगाम लगाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

एम्फोटेरिसिन-बी इंजेक्शन 4500 से 6500 रुपये में मिलता है। धंधेबाज इसे 15 से 18 हजार रुपये में बेच रहे हैं।

बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश के बाद 24 सप्ताह की गर्भवती महिला का होगा गर्भपात, जानें क्या है कारण

मुंबई, मुंबई में बॉम्बे हाई कोर्ट ने शुक्रवार को एक मां के 24 हफ्ते के गर्भ का गर्भपात कराने की अनुमति दे दी। महिला के गर्भ में तीन बच्चे हैं जिन्हें अब टर्मिनेट किया जाएगा। इस तरह का यह पहला केस है। जे जे अस्पताल के पैनल ने महिला के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर गर्भपात कराने की सलाह दी थी।

गर्भपात के लिए 41 वर्षीय महिला की ओर से याचिका दायर की गई थी। याचिका में बताया गया कि महिला के गर्भ में तीन बच्चे हैं। तीन बच्चों में से एक को एन्सेफली था। मतलब बच्चा बिना खोपड़ी के पैदा होता। ऐसे में महिला लगातार तनाव में थी। इसे देखते हुए गर्भ को टर्मिनेट करने की अनुमति मांगी गई थी।

बेंच ने पैनल से मांगी थी रिपोर्ट

न्यायमूर्ति शाहरुख कथावाला और न्यायमूर्ति सुरेंद्र तावड़े की पीठ ने इसे लेकर डॉक्टरों के पैनल से रिपोर्ट मांगी थी। पैनल की जांच और रिपोर्ट के बाद बॉम्बे हाई कोर्ट की बेंच ने प्रेगनेंसी टर्मिनेट करने की अनुमति दे दी।

दो बार बनाया गया पैनल

बेंच ने 12 मई को केवल एक भ्रूण के टर्मिनेशन की संभावना को लेकर रिपोर्ट मांगी थी। इसके बाद 17 मई को फिर से एक दूसरे पैनल का गठन करके इस पर राय मांगी गई। पैनल की 20 मई की रिपोर्ट में कहा गया है कि पहले भ्रूण में एनेस्थली दिखाई दी और उसके जीवित रहने की संभावना नहीं है। दूसरे में एक नरम क्रोमोसोमल मार्कर है जिसका अर्थ है कि इसमें संभवतः आनुवंशिक असामान्यताएं होंगी।

तीन में एक बच्चा था स्वस्थ्य

रिपोर्ट में कहा गया है कि तीसरा भ्रूण स्वस्थ है लेकिन सिर्फ एक को कॉन्टीन्यू नहीं किया जा सकता था। भ्रूण चिकित्सा विशेषज्ञ, डॉ. पूर्णिमा सातोसकर ने रॉयल कॉलेज ऑफ ओब्स्टेट्रिशियन एंड गायनेकोलॉजिस्ट के दिशानिर्देशों के अनुसार समाप्ति की सलाह दी।

अब कोई नहीं हड़प सकेगा आपके हक का राशन!

मुंबई, सरकारी राशन की दुकान से किसे कितना अनाज मिलेगा और उसने अनाज लिया है या नहीं! इसकी पूरी जानकारी अब खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध होगी, जिसे कोई भी बहुत आसानी से देख सकेगा। खाद्य व आपूर्ति विभाग के कंट्रोलर कैलाश पगारे का कहना है कि इस वेबसाइड के माध्यम से जहां एक तरफ राशनिंग से जुड़े भ्रष्टाचार को रोकने में मदद मिलेगी, वहीं दूसरी ओर गरीबों के हक का अनाज कोई हड़प नहीं सकेगा। अगर किसी को यह जानना है कि उसके राशन कार्ड पर कितना अनाज मिलेगा, तो इसके लिए खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की वेबसाइट पर जाकर 12 अंकों का एसआरसी नंबर दर्ज करना होगा। एसआरसी नंबर जानने के लिए www.mahafood.gov.in जाकर ऑनलाइन राशनकार्ड सिस्टम लिंक पर क्लिक कर ऑनलाइन फॉर्म भरना होगा। इस फॉर्म में राशन कार्ड क्रमांक, मोबाइल नंबर के अलावा अपना आधार क्रमांक दर्ज करना होगा, फिर एसआरसी नंबर मिल जाएगा। इसके अलावा सरकारी राशन दुकान से भी अपना एसआरसी नंबर हासिल किया जा सकता है। पगारे ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना (एनएफएसए) के पात्र व जरूरतमंद राशनकार्ड धारकों को कोरोना काल में अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। मई व जून में मुफ्त अनाज दिया जाएगा।

छह साल के बच्चे ने कातिल बाप को पकड़वाया

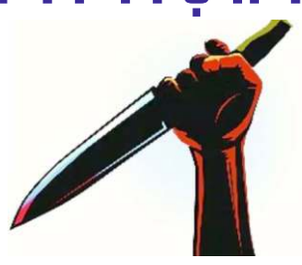

मुंबई, छह साल के बच्चे की टिप पर भायखला पुलिस ने एक महिला के मर्डर की गुत्थी चंद घंटों में सुलझा ली। इंस्पेक्टर चिमाजी आढाव ने बताया कि पुलिस ने महिला के पति को इस केस में गिरफ्तार किया है। गुरुवार सुबह मसीना अस्पताल के पास छह साल का बच्चा जोर-जोर से रो रहा था और पब्लिक से अनुरोध कर रहा था कि उसकी मां को बचा लो, मां को बचा लो। घायल मां की कुछ मिनट बाद ही मृत्यु हो गई। किसी ने पुलिस कंट्रोल रूम को इसकी सूचना दी। वहां से भायखला पुलिस को बताया गया। सीनियर इंस्पेक्टर अशोक खोत और चिमाजी आढाव फौरन वारदात स्थल पर पहुंचे। वहां छह साल के बच्चे ने बताया कि संतोष ने उसकी मां को मारा। यह संतोष कौन है, यह बच्चा नहीं बता पाया, पर बच्चे ने पुलिस को अपने सौतेले भाई का नाम इसी दौरान बताया। पुलिस उस भाई तक पहुंची। उस भाई से संतोष का डाकयार्ड रोड का पता मिला। वहां से उसे गिरफ्तार किया गया। संतोष ने पुलिस को बताया कि महिला के पति की काफी साल पहले मृत्यु हो गई थी, इसलिए वह उसके साथ लिव इन रिलेशन में रह रहा था। संतोष को शक था कि महिला के किसी और से भी रिलेशन थे, इसलिए उसका कहना है कि उसने उसका कत्ल कर दिया। पुलिस संतोष के दावे को वेरिफाई कर रही है।

BMC को मिल सकती है घर-घर टीका देने की इजाजत

मुंबई, बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा है कि अगर बीएमसी घर-घर जाकर नागरिकों को टीका लगाना चाहती है, तो उसे इसकी इजाजत मिल जाएगी। कोर्ट ने कहा कि अभी तक इसके लिए केंद्र सरकार की इजाजत न होने के बावजूद अदालत मंजूरी दे सकती है। अदालत ने बीएमसी से सवाल किया कि क्या वह ऐसे लोगों को उनके घर जाकर टीका दे सकती है, जिन्हें टीके की जरूरत है, लेकिन वे ज्यादा उम्र या किसी अक्षमता के कारण टीका लगवाने के लिए बाहर नहीं जा सकते। कोर्ट ने इस बारे में बीएमसी से हलफनामा देने को कहा है। इस मामले में गुरुवार को भी सुनवाई होगी। देश में एक दिन के अंदर 4,529 लोगों की जान कोरोना संक्रमण से गई। यह एक दिन में मौतों की सबसे ज्यादा संख्या है। देश में 2,67,334 नए मामले सामने आए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया, 'देश भर में 24 घंटों के दौरान 20 लाख से ज्यादा कोरोना जांच की गई। यह एक रेकॉर्ड है। किसी देश में एक दिन के अंदर इतनी जांच नहीं हुई। देश में पॉजिटिविटी रेट घटकर 13.31 फीसद पर पहुंच गया है। बच्चों पर ट्रायल, केंद्र से मांगा जवाब

दिल्ली हाई कोर्ट ने कोवैक्सीन टीके का 2 से 18 साल के बच्चों पर ट्रायल करने की इजाजत देने पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। एक याचिका में इसे रोकने की मांग की गई थी। हालांकि अदालत ने ट्रायल रोकने से इनकार कर दिया। याचिका में कहा गया है कि जिन 525 बच्चों पर यह ट्रायल होना है, उनकी सेहत और दिमाग पर इसका असर पड़ सकता है। इन बच्चों को वॉलंटियर नहीं कहा जा सकता है। अगर बच्चों पर साइड इफेक्ट हुआ, तो वे शरीर के अंदर होने वाले बदलाव को समझ नहीं पाएंगे।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को है विश्वास, प्रधानमंत्री करेंगे मदद

मुंबई, चक्रवाती तूफान से हुए नुकसान का मुआयना करने के बाद मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भले की महाराष्ट्र के दौरे पर नहीं आए, लेकिन मुझे विश्वास है कि वे महाराष्ट्र के प्रभावित लोगों की मदद जरूर करेंगे और जल्द ही इसकी घोषणा करेंगे। बातचीत के दौरान उन्होंने बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री संवेदनशील हैं और वे विपक्ष के नेता नहीं हैं। नुकसान को लेकर मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक की। बैठक में रत्नागिरी के पालक मंत्री अनिल परब, राहत और पुनर्वास मंत्री विजय वडेट्टीवार तथा उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री उदय सामंत प्रमुख रूप से उपस्थित थे। चक्रवात की वजह से रत्नागिरी जिले की पांच तहसीलों में भारी नुकसान हुआ है।

चक्रवाती तूफान से हुए नुकसान की समीक्षा के बाद मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि कोराना संकट के चलते तौकते चक्रवात ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। विपक्ष के नेता दो दिन से कोकण दौरे पर हैं, जबकि मुख्यमंत्री चार घंटे के दौरे पर? इस पर ठाकरे ने अप्रत्यक्ष रूप से पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे हेलीकॉप्टर से मुआयना करने नहीं आए, जमीन पर उतरे हैं। उन्होंने कहा कि वे विपक्ष का उत्तर देने नहीं आए हैं। बल्कि कोकण के लोगों को दिलासा देने आए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं फोटो सेशन करने के लिए नहीं आया हूं।

कोकण के साथ इंसाफ नहीं किया: फडणवीस

चक्रवाती तूफान के तीन दिन के दौरे पर गए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि तूफान से लोगों को भारी नुकसान हुआ है। उन्हें मदद की जरूरत है। इस पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। किसके दौरे पर किसने क्या कहा, इस पर मैं भी बोल सकता हूं, लेकिन इस बात का उन्हें संतोष है कि मुख्यमंत्री कम से कम बाहर तो निकले। लोग सवाल पूछते हैं कि प्रधानमंत्री गुजरात गए, महाराष्ट्र क्यों नहीं आए? तब फडणवीस ने कहा कि मुख्यमंत्री केवल दो जिलों में ही क्यों आए? रायगड, कोल्हापुर, सातारा क्यों नहीं गए? कोकण के साथ यह सरकार हमेशा नाइंसाफी करती है।

अपने नाम व नंबर को न बनाएं वाई-फाई का पासवर्ड

साइबर एक्सपर्ट सचिन डेडिया बताते हैं कि आपका मोबाइल फोन भी मोबाइल ऐप्लिकेशन के जरिए हैक किया जा सकता है। इस प्रकार आपके मोबाइल फोन में जमा गोपनीय जानकारी भी हैकर तक पहुंच सकती है।

मुंबई, डिजिटिलाइजेशन के युग में अधिकांश लोग अब इंटरनेट की मदद से कामकाज कर रहे हैं। लॉकडाउन लगे होने के कारण इस कार्य में और अधिक तेजी देखी गई है। इस वजह से लोगों की इंटरनेट की जरूरत अब पहले की अपेक्षा करीब 60 फीसदी तक बढ़ गई है। ऐसे में कई नए इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर अपनी सेवाएं लेकर आए हैं। लोग इन कंपनियों से वाई-फाई कनेक्शन लेकर काम कर रहे हैं, जिन पर नेट कंपनियों के साथ-साथ साइबर क्रिमिनल्स की भी नजर रहती है। साइबर क्राइम ब्रांच द्वारा जारी नई जानकारी के मुताबिक, हैकर्स की नजर उन लोगों पर ज्यादा रहती है, जो वाई-फाई का इस्तेमाल करते हैं। इनमें भी वे नेट उपभोक्ता सर्वाधिक हैं, जो वाई-फाई कनेक्शन में अपना नाम या ऑफिस का नाम सेव करके रखते हैं। साइबर एक्सपर्ट लोगों की इस आदत को साइबर क्रिमिनल के लिए सुनहरा अवसर बताते हैं। साइबर एक्सपर्ट सचिन डेडिया बताते हैं कि आपका मोबाइल फोन भी मोबाइल ऐप्लिकेशन के जरिए हैक किया जा सकता है। इस प्रकार आपके मोबाइल फोन में जमा गोपनीय जानकारी भी हैकर तक पहुंच सकती है। यानी महत्वपूर्ण डाटा चुराया जा सकता है। डेडिया की मानें तो नॉर्थ कोरिया के हैकर्स द्वारा सबसे बड़े साइबर क्राइम को अंजाम दिया गया है।मात्र 2 घंटे के अंदर 24 देशों के 12 हजार बैंकिंग ट्रांजेक्शन को हैक कर लिया गया था, जो इस दशक का सबसे बड़ा साइबर क्राइम है। इसलिए बैंकिंग ट्रांजेक्शन से बचाव करना है तो मोबाइल फोन नंबर को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतनी होगी, क्योंकि अधिकतर लोग अपने मोबाइल नंबर को ही वाई-फाई का पासवर्ड रखते हैं या फिर ऑफिस वाई-फाई का इस्तेमाल करते समय ऑफिस का नाम ही पासवर्ड के तौर पर सेव कर रखते हैं, जो घातक साबित हो सकता है। इससे साइबर हैकर आपका नाम, आपके ऑफिस की जानकारी और इसके जरिए आपके ऑफिस के सर्वर तक पहुंचकर गोपनीय जानकारी चुरा सकते हैं। इसीलिए कभी भी वाई-फाई में अपना या अपने ऑफिस का नाम सेव करके नहीं रखना चाहिए। गौरतलब है कि घाटकोपर में मुरलीधर मेहता नामक एक कारोबारी से पिछले दिसंबर में ऐसा ही ऑनलाइन फ्रॉड हुआ था, जिसकी जांच में साइबर सेल को उसके वाई-फाई के जरिए उसके ऑफिसल जानकारी को हैकरों ने चुरा लिया था। साइबर क्राइम की डीसीपी रश्मि करंदीकर भी लोगों से बार-बार अपील करती रहती हैं कि ऑनलाइन ट्रांजेक्शन या इंटरनेट का इस्तेमाल करते समय यूजर (लोग) अतिरिक्त सावधानी बरतें। आपकी एक मामूली सी लापरवाही आपको आर्थिक और सामाजिक झटका भी दे सकती है।

गुजरात पर ही क्यों बरसती है मोदी की कृपा-कांग्रेस प्रवक्ता सचिन सावंत

मुंबई, मोदी की कृपा गुजरात पर ही क्यों बरसती है? 13 करोड़ की आबादी वाले महाराष्ट्र को लगभग दो करोड़ टीके दिए गए जबकि 6.50 करोड़ आबादी वाले गुजरात को एक करोड़ 66 हजार टीके दिए गए? आखिर टीकों के इस बंटवारे का पैमाने क्या है? यह सवाल महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता सचिन सावंत ने बीजेपी से पूछे हैं। सावंत ने कहा कि बीजेपी और विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस दावा करते रहे हैं कि कोरोना काल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र की बहुत मदद की। दरअसल, मोदी सरकार ने सहायता प्रदान करने में महाराष्ट्र के साथ लगातार भेदभाव किया है।

इस संबंध में केंद्र सरकार के आंकड़े देते हुए सावंत ने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य विभाग द्वारा 19 मई को जारी आंकड़ों के अनुसार महाराष्ट्र में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 4,04,229 है, जबकि गुजरात में यह 92,617 है। महाराष्ट्र में 49 लाख 78 हजार 337 और गुजरात में 6 लाख 69 हजार 490 कोरोना मरीज हैं। महाराष्ट्र में कुल मौतें 84 हजार 371 और गुजरात में 9 हजार 340 हैं। ऐसे में महाराष्ट्र के लिए 2 करोड़ टीके और गुजरात के लिए 1.62 करोड़ टीके क्यों? आखिर इस वितरण का पैमाना क्या है?

गुजरात का स्ट्राइक रेट महाराष्ट्र से ज्यादा कैसे है?

सावंत ने यह सवाल नेता विपक्ष देवेंद्र फडणवीस के उस दावे के बाद उठाए हैं जिसमें फडणवीस ने दावा किया है कि केंद्र ने सबसे ज्यादा मदद महाराष्ट्र की की है। उन्होंने फडणवीस से भी सवाल पूछा है कि वैक्सीन मिलने में गुजरात का स्ट्राइक रेट महाराष्ट्र से ज्यादा कैसे है? सावंत ने कहा कि वास्तव में, फडणवीस को महाराष्ट्र के लिए और अधिक वैक्सीन प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वह केंद्र सरकार द्वारा दी गई अपर्याप्त वैक्सीन का समर्थन कर रहे हैं।

'टीकों की सबसे कम बर्बादी'

सावंत ने कहा कि देश भर में टीकों की सबसे कम बर्बादी करते हुए महाराष्ट्र ने अब तक दो करोड़ से ज्यादा लोगों का टीकाकरण किया है। उन्होंने कहा कि अगर केंद्र सरकार महाराष्ट्र को पर्याप्त टीके उपलब्ध कराए तो आज भी महाराष्ट्र में हर दिन 10 लाख लोगों को टीका लगाने की क्षमता है।

रिक्शा चालकों सरकार जल्द देगी 1,500 रुपये

मुंबई, राज्य के परमिटधारी रिक्शा चालकों को 1,500 रुपये की कोरोना मदद राशि देने की प्रक्रिया शनिवार से शुरू होगी। सरकार ने आश्वासन दिया है कि इसके लिए रिक्शा चालकों को किसी प्रकार के कागजात की जरूरत नहीं पड़ेगी। रिक्शा चालकों को आर्थिक सहायता देने के लिए आवश्यक रकम शासन की तरफ से उपलब्ध करा दी गई है। महाराष्ट्र की ठाकरे सरकार ने लॉकडाउन लगाने से पहले 5,400 करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज की घोषणा की थी। निर्माण क्षेत्र के मजदूरों को सरकार ने मदद की राशि दे दी है, लेकिन घर में काम करने वाली घरेलू कामगार, फेरीवालों और ऑटो चालकों को मदद की राशि नहीं मिली है। ऑटो चालकों को शनिवार से सरकार मदद राशि देने की प्रक्रिया शुरू करने जा रही है। रिक्शा चालकों को ऑनलाइन सिस्टम में अपना वाहन क्रमांक, अनुज्ञप्ति क्रमांक और आधार क्रमांक का पंजीयन करने के बाद कंप्यूटर सिस्टम में अपने आप जानकारी की तलाश कर आधार क्रमांक से लिंक खाते में डेढ़ हजार रुपये की रकम तत्काल जमा हो जाएगी। जिन रिक्शा चालकों के आधार क्रमांक बैंक खातों से लिंक होंगे, उनके संबंधित बैंक खातों में आर्थिक सहायता तत्काल जमा हो जाएगी। राज्य के सभी जिलों में रिक्शा चालक संगठनों के प्रतिनिधियों को आवेदन प्रक्रिया के बारे में 21 मई को जानकारी प्रदान की जाएगी।

22 मई से होंगे ऑनलाइन आवेदन

राज्य के उप मुख्यमंत्री अजित पवार की अध्यक्षता में हॉल में एक बैठक मंत्रालय में हुई। बैठक में पैसा देने की चर्चा हुई। तय किया गया कि शनिवार से ऑटो वालों को मदद की राशि देने की प्रक्रिया शुरू की जाए। सरकार ने 1,500 रुपये की देने का निर्णय लिया था। इस निर्णय के क्रियान्वयन और रिक्शा चालकों तक मदद पहुंचाने के लिए आईसीआईसीआई बैंक की तरफ स्वतंत्र कंप्यूटर प्रणाली विकसित की गई है।

अंडरवर्ल्ड के डैडी की दगड़ी चॉल का होगा कायापलट, रिडेवलपमेंट प्रोजक्ट को म्हाडा की हरी झंडी

मुंबई, अंडरवर्ल्ड डॉन अरुण गवली भले ही जेल में सजा काट रहा हो लेकिन किसी न किसी वजह से वो अक्सर चर्चा में बना रहता है। गवली को दगड़ी चाल और आसपास के लोग डैडी के नाम से भी पुकारते हैं। इस बार डैडी की दगड़ी चाल सुर्खियों में हैं। दरअसल डैडी के अभेद्य किले दगड़ी चॉल को फिर बनाने का प्रस्ताव मंजूर हो गया है।

दगड़ी चाल का होगा पुनर्विकास

मुंबई के भायखला इलाके में मौजूद दगड़ी चॉल का चेहरा अब बदलने वाला है। दशकों पुरानी चाल की जगह जल्द ही आलीशान इमारत नजर आएगी। महाराष्ट्र गृह निर्माण क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा) ने दगड़ी चॉल के पुनर्विकास के प्रस्ताव को मंजूर कर लिया है। निर्माण कार्य आरंभ करने के लिए म्हाडा द्वारा जल्द ही विकासक को एनओसी दिया जाएगा। चाल में हैं दस इमारतें मुंबई इमारत मरमत व पुनर्रचना मंडल के सभापति विनोद घोसालकर के अनुसार, दगड़ी चॉल की 10 पुरानी इमारतों के पुनर्विकास का प्रस्ताव विभाग को प्राप्त हुआ है। 10 में से 8 इमारत का मालिकाना हक गवली परिवार के पास है। जबकि 2 अन्य इमारतों के सदस्यों के साथ गवली परिवार ने करार कर लिया है। म्हाडा ने चॉल के पुनर्विकास के प्रस्ताव को मंजूरी देने का निर्णय लिया है, जल्द ही डिवेलपर को एनओसी सौंपी जाएगी। 9048 सेस इमारत सुरक्षित मॉनसून पूर्व तैयारी के तहत म्हाडा ने 68 प्रतिशत सेस इमारतों का सर्वे का काम पूरा कर लिया है। सर्वे के दौरान एक भी इमारत खतरनाक नहीं मिली है। मुंबई में प्राधिकरण की कुल 14,795 इमारतें हैं। इसमें से 9048 इमारतें सर्वे में सुरक्षित मिली हैं। हर साल मार्च तक म्हाडा इमारतों का सर्वे का काम पूरा कर लेती थी। घोसालकर के अनुसार, कोविड और कर्मचारियों की कमी के चलते इस वर्ष सर्वे पूरा करने में देरी हो रहा है। जल्द ही बची हुई इमारतों का भी सर्वे कर लिया जाएगा।

शुरू किया गया कंट्रोल रूम

मॉनसून के दौरान हर साल होने वाली दुर्घटनाओं को देखते हुए म्हाडा ने अपना कंट्रोल रूम शुरू कर दिया है। 24 घंटे चलने वाले कंट्रोल रूम में तीन शिफ्ट में काम होगा। दुर्घटना होने पर 022-23536945,022-23517423 पर कॉल कर म्हाडा से संपर्क कर सकते हैं। प्राधिकरण ने हर जोन के लिए ठेकेदार की नियुक्ति कर दी है। इन ठेकेदारों पर दुर्घटना होने पर राहत और बचाव कार्य की जिम्मेदारी होगी। साथ ही, म्हाडा ने हर वॉर्ड में एक इंजिनियर की नियुक्ति करने का निर्णय लिया है।

पेट में गैस और जलन से इंस्टेंट राहत देंगे ये 5 घरेलू नुस्खे, आजमाकर देखिए

कई बार ज्यादा मिर्च-मसाले का सेवन करने से पेट में जलन की समस्या पैदा होने लगती है। इसके अलावा जो लोग एसिडिटी या गैस की शिकायत करते हैं, उनके पेट में भी हमेशा गर्मी बनी रहती है। एसिडिटी हो या पेट में गैस की दिक्कत, दोनों की चीजें व्यक्ति की रुटीन लाइफ को डिस्टर्ब करके रख देती हैं। ऐसे में किचन में मौजूद कुछ खास चीजों का सेवन करने से न सिर्फ पेट की जलन बल्कि गैस जैसी दिक्कत से भी बड़ी आसानी से छुटकारा पाया जा सकता है।

आइए जानते हैं पेट की गैस और जलन से छुटकारा दिलाने वाले किचन में मौजूद क्या हैं ये घरेलू नुस्खे।

पेट में जलन का क्या है कारण-

पेट में जलन एसिड रिफ्लक्स के कारण होती है। एसिड रिफ्लक्स यानी जब पेट का एसिड वापस भोजन नली में आ जाता है तो एसिड रिफलक्स की समस्या उत्पन्न होती है। इसकी वजह से व्यक्ति को सीने में जलन महसूस होने लगती है। यह समस्या ज्यादातर जरूरत से ज्यादा मोटापे, शराब और धूम्रपान का सेवन, हर्निया, अपच, पेट में अल्सर और कुछ खास दवाइयों का सेवन करने की वजह से भी हो सकती है।

पेट की गैस और जलन से छुटकारा दिलाने वाले नुस्खे-

-खाने के बाद खाएं गुड़-

अगर आपको पेट में जलन की समस्या रहती है तो खाने के बाद गुड़ का सेवन जरूर करें। याद रखें, गुड़ को चबाकर नहीं खाएं बल्कि इसका सेवन चूसते हुए करें।गुड़ मुंह में रखकर चूसने की प्रकिया जितने धीमे होगी उतना ही यह असरदार होगी।

गुड़ मुंह में रखकर चूसने से पाचन बेहतर होता है और जलन की समस्या खत्म होती है।

दही-

दही का सेवन करने से पेट में जलन की समस्या दूर होती है। एनसीबीआई की वेबसाइट पर प्रकाशित एक शोध के अनुसार दही में एंटासिड गुण पाया जाता है, जो पेट में जलन और एसिडिटी से आराम दिलाने में मदद करता है।

अदरक का रस

अदरक के रस में एंटीबैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं, जो पेट में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को मारने का काम करते हैं। नींबू और शहद में अदरक का रस मिलाकर पीने से, पेट की जलन शांत होती है।

सौंफ का पानी-

1 कप उबले हुए पानी में 1 चम्मच सौंफ मिला कर रात भर के लिए रख दें। सुबह इसे छान लें और इसमें एक चम्मच शहद मिलाएं और इसे पी लें। इस मिश्रण को दिन में 3 बार पीने से पेट की गर्मी और एसिडिटी की समस्या दूर हो जाएगी। इससे पेट का फूलना और गैस की समस्या भी दूर हो जाती है।

एलोवेरा जूस-

एलोवेरा जूस आपकी आंत में पानी की मात्रा को बढ़ाने के साथ कब्ज की समस्या को भी दूर करता है। इसके लिए आधा कप एलोवेरा जूस का सेवन करके आप पेट की जलन को दूर कर सकते हैं।

सोनल झालावाड़िया

जीवनशैली में भी लाएं ये बदलाव-

-तली वसायुक्त चीजों, कैफीन, चॉकलेट, मसालेदार भोजन से सीने में जलन हो सकती है। इन चीजों का सेवन करने से बचें।

-ज्यादा मोटापा भी सीने में जलन का कराण बन सकता है। अगर आपका वजन ज्यादा है तो सबसे पहले आप इसे कम करें।

-रात को सोने से कम से कम 3 घंटे पहले भोजन कर लें।

-शराब और तंबाकू का सेवन करने से बचें।

-ढीले कपड़े पहनने से पाचन तंत्र पर कम दबाव पड़ता है।

पश्चिमी आहार बन सकता है इन्फ्लेमेटरी बाउल सिंड्रोम का कारण, अध्ययन में दी गई चेतावनी

एक हालिया अध्ययन के मुताबिक पश्चिमी आहार प्रतिरक्षा प्रणाली को नुकसान पहुंचाता है। अध्ययन में दी गई चेतावनी में कहा गया है कि उच्च वसा युक्त और मीठे आहार पैनेथ कोशिका को क्षतिग्रस्त करते हैं। पैनेथ कोशिका आंतों में प्रतिरक्षा कोशिकाएं होती हैं, जो सूजन को नियंत्रण में रखने में मदद करती हैं। जब पैनेथ कोशिका ठीक से अपना कार्य नहीं करतीं तो आंत की प्रतिरक्षा प्रणाली में सूजन होने का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन के लेखकों के मुताबिक यह स्थिति लोगों में इंफ्लेमेटरी बाउल सिंड्रोम (सूजन आंत्र रोग) का खतरा बढ़ाती है। शोधकर्ताओं ने प्रयोगशाला में चूहों और मनुष्यों दोनों पर अध्ययन के आधार पर यह बात कही।

पश्चिमी जीवनशैली का नकारात्मक प्रभाव

अमेरिकी और ब्रिटिश आहार खासतौर से मक्खन, पेस्ट्री, चॉकलेट, कन्फेक्शनरी, पिज्जा, बर्गर और सफेद ब्रेड सहित खाद्य पदार्थों वाला होता है, जिनमें वसा और चीनी उच्च मात्रा में होते हैं। नया अध्ययन सेंट लुइस और क्लीवलैंड क्लिनिक में वाशिंगटन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के शोधकर्ताओं द्वारा किया गया है। इसमें पश्चिमी आहार के प्रसार की चेतावनी दी गई है। अध्ययन के प्रमुख लेखक व वाशिंगटन विश्वविद्यालय से जुड़े ता-चियांग लियू का कहना है कि सूजन आंत्र रोग मुख्य रूप से अमेरिका जैसे पश्चिमी देशों में लंबे समय से एक समस्या रही है, लेकिन अब यह वैश्विक स्तर पर भी आम होती जा रही है, क्योंकि अधिक से अधिक लोग पश्चिमी जीवनशैली को अपनाने लगे हैं।

आंतों में संक्रमण का खतरा

हमारा अध्ययन के निष्कर्ष दर्शाते हैं कि लंबे वक्त तक उच्च वसा और शुगर वाले पश्चिमी आहार का सेवन प्रतिरक्षा कोशिका की

कार्यप्रणाली को बिगाड़ सकता है। यह आंत में सूजन का कारण बनने के साथ ही आंतों में संक्रमण का खतरा भी बढ़ा सकता है। यह पहले से ही पता है कि पैनेथ कोशिका को नुकसान इन्फ्लेमेटरी बाउल सिंड्रोम का प्रमुख कारण है।

बीएमआई पैनेथ कोशिकाओं को प्रभावित करता है

पैनेथ कोशिकाएं आंतों में पाई जाने वाली एक प्रकार की प्रतिरक्षा कोशिका हैं, जो माइक्रोबियल असंतुलन और संक्रामक रोगजनकों से बचाने में मदद करती हैं। इन कोशिकाओं की कार्यप्रणाली में शिथिलता आनुवंशिक परिवर्तनों और पर्यावरणीय कारकों के कारण होती है। उदाहरण के तौर पर पेट में दर्द, दस्त, एनीमिया और थकान वाली बीमारियों या इन्फ्लेमेटरी बाउल सिंड्रोम में अक्सर पैनेथ कोशिकाएं काम करना बंद कर देती हैं। मनुष्यों में पैनेथ सेल की शिथिलता के कारण का पता लगाने के लिए शोधकर्ताओं ने 930 लोगों पर नैदानिक डेटा वाले डेटाबेस का विश्लेषण किया। इसमें प्रत्येक व्यक्ति के पैनेथ कोशिकाओं का आकलन किया गया।

उन्होंने पाया कि हाई बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) भी पैनेथ कोशिकाओं को प्रभावित करता है। हाई बीएमआई वालों में पैनेथ कोशिकाएं असामान्य और अस्वस्थ दिखाई दीं।

चूहों पर अध्ययन किया

आहार और पैनेथ कोशिका के संबंध को बेहतर तरीके से समझने के लिए शोधकर्ताओं ने पश्चिमी आहार और स्टैंडर्ड डाइट के प्रभावों की तुलना की। उन्होंने लैब में चूहों को वह डाइट दी, जिसमें 40 प्रतिशत कैलोरी फैट, शुगर या टिपिकल वेस्टर्न डाइट जैसे आहार से आई। फिर उनकी तुलना सामान्य आहार का सेवन करने वाले चूहों से की।

संजय शर्मा

आठ सप्ताह बाद देखा कि जिन चूहों ने पश्चिमी आहार का सेवन किया आठ सप्ताह के बाद देखा गया कि पश्चिमी आहार का सेवन करने वाले चूहों में सामान्य आहार का सेवन करने वाले चूहों के समूह की तुलना में अधिक असामान्य पैनेथ कोशिकाएं थीं। पश्चिमी आहार समूह वाले चूहों की पैनेथ कोशिकाओं में दो महीने बाद अन्य नकारात्मक परिवर्तन स्पष्टतौर पर दिखाई दिए।

पश्चिमी आहार

पश्चिमी आहार में आमतौर पर रेड मीड, प्रोसेस्ड, तला हुआ या उच्च वसा वाले खाद्य पदार्थ शामिल होते हैं। यह परिष्कृत अनाज और चीनी से युक्त होता है। इसमें मक्खन, पेस्ट्री, चॉकलेट, पिज्जा, बर्गर और सफेद ब्रेड भी शामिल होती है। इसे स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा सुझाए गए मेडिटेरियन आहार के विपरीत रुप में देखा जाता है।

वीकेंड को बनाएं सुपर टेस्टी पनीर बेसन चीला रेसिपी के साथ, नोट कर लें बनाने का सही तरीका

वीकेंड शुरू होते ही खाने को लेकर बच्चों की अलग-अलग फरमाइशें शुरू हो जाती हैं। ऐसे में पनीर बेसन चीला संडे के ब्रेकफास्ट के साथ शाम की चाय को भी मजेदार बना सकता है। यह एक लोकप्रिय और स्वादिष्ट पेनकेक्स रेसिपी है। जिसे बेसन के आटे और कसा हुआ पनीर टॉपिंग के साथ बनाया जाता है। तो आइए जानते हैं कैसे बनाई जाती है यह हेल्दी नाश्ता रेसिपी।

पनीर बेसन चीला बनाने के लिए सामग्री-

-1 कप बेसन

- 100 ग्राम ग्रेट किया हुआ पनीर

- 1 प्याज बारीक कटा हुआ

- 1 टमाटर बारीक कटा हुआ

- 3-4 हरी मिर्च बारीक कटी हुई

- 1 इंच का अदरक का टुकड़ा ग्रेट किया हुआ

- 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर

- 1/2 चम्मच हल्दी पाउडर

- चुटकी भर हींग

-नमक स्वादानुसार

पनीर बेसन चीला बनाने की रेसिपी-

पनीर बेसन चीला बनाने के लिए सबसे पहले सभी सामग्री को एक साथ एक बर्तन में मिक्स करें। अब इसमें पानी मिलाएं और एक गाढ़ा बैटर तैयार करें। आप चाहें तो पनीर को चीले के ऊपर से ग्रेट करके भी डाल सकते हैं। ऐसे में चीले के ऊपर क्रिस्पी पनीर की लेयर बन जाएगी। इस रेसिपी में आप जानेंगे कि कैसे पनीर को बैटर में मिलाकर चीला बनाया जाता है। अब चीला बनाने के लिए तवा गर्म करके उसमें थोड़ा सा तेल डालें। मीडियम आंच पर चीले का बैटर डालें और उसे फैलाएं। गोल्डन ब्राउन होने तक चीले को दोनों साइड से पकाएं।

मास्क में नमी के कारण फैल रहा है ब्लैक फंगस, एक्सपर्ट ने बताया मास्क पहनते समय बरतें क्या सावधानियां

देश में कोविड 19 के मरीजों में म्यूकोरमायकोसिस (ब्लैक फंगस) के मामलों में हो रही वृद्धि के पीछे मास्क में नमी का होना माना जा रहा है। वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ एस एस लाल ने एक मीडिया एजेंसी से बातचीत के दौरान कहा कि म्यूकोरमायसिस (ब्लैक फंगस) नामक इस रोग के होने के पीछे लंबी अवधि तक इस्तेमाल किया गया मास्क हो सकता है। मास्क पर जमा होने वाली गंदगी के कण से आंखों मे फंगस इन्फेक्शन होने की संभावना बनी रहती है। इसके अलावा मास्क में नमी होने पर भी इस तरह का इन्फेक्शन हो सकता है। डॉक्टर लाल ने बताया कि आईसीयू में भर्ती कोविड 19 के मरीज को लंबे समय तक इलाज के दौरान लगाए जाने वाले ऑक्सीजन के कारण भी यह फंगल इन्फेक्शन हो सकता है। उन्होंने बताया कि कोविड पेशन्ट को स्टेरॉयड की हाई डोज दी जाती है । जिसकी वजह से मरीज का शुगर लेवल बढने से इस तरह के संक्रमण के बढ़ने की अपार संभावना होती है। डॉक्टर लाल ने बताया कि फंगस के संक्रमण की शुरुआत नाक से होती है। नाक से ब्राउन या लाल कलर का म्यूकस जब बाहर निकलता है तो यह शुरुआती लक्षण ब्लैक फंगस का माना जाता है फिर यह धीरे धीरे आंखो मे पहुंच जाता है । नेत्रों में लालीपन, डिस्चार्ज होना, कंजंक्टिवाइटिस के लक्षण इस रोग में उभरते हैं। नेत्रों में भंयकर पीडा होती है और फिर विजन पूरी तरह समाप्त हो जाता है। इस फंगस का असर नेत्रों के रेटिना पर पडता है फिर ब्रेन,नर्वस सिस्टम व ह्रदय तक हो जाने से मृत्यु तक हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि मेडिकल कालेज में ब्लैक फंगस के इलाज के समुचित इंतजाम किए गये हैं । इलाज समय पर होने से रोगी को बचाया जा सकता है। जिला अस्पताल में ही कार्यरत नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर केशव स्वामी ने बताया कि फंगस वातावरण में पाया जाता है। बरसात के मौसम में ब्लैक फंगस फैलने की आशंका अधिक होती है। कोविड-19 से रिकवर हुए लोग प्रतिदिन मास्क को डेटॉल में धोकर धूप में सुखाकर ही पहनें।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : मेष राशि के जातकों को पारिवारिक कार्यों पर खर्च अधिक होगा। नया कार्य-व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए समय ठीक नहीं है। माता-पिता से आर्थिक सहयोग लेना पड़ेगा। इस सप्ताह भौतिक सुख-सुविधाओं पर भी अधिक खर्च करने की स्थिति बनेगी। पैतृक संपत्ति प्राप्त होने के योग बन रहे हैं। भाई-बहनों से चल रहा विवाद समाप्त होगा।

वृषभ : बिजनेस में उतार-चढ़ाव इस सप्ताह भी बने रहेंगे। हिम्मत और धैर्य से काम करेंगे तो सफलता मिलेगी। समय का उचित प्रबंधन और दिमाग खुला रखने की जरूरत है। संकोची स्वभाव छोड़ेंगे तभी सफलता के पथ पर बढ़ेंगे। निजी जीवन में संबंधों को सुधारने के लिए अपने अहं को त्यागना होगा। छोटी-छोटी बातों पर मनमुटाव की स्थिति ना आने दें।

मिथुन : मिथुन राशि के जातकों की आय प्रभावित होगी, चाहे आप बिजनेस में हों या नौकरी में। इस चक्कर में अपनी सेहत से खिलवाड़ ना करें। यदि परिणाम आपके अनुकूल ना आए तो निराश न हो, आने वाला वक्त बेहतर है। इस सप्ताह स्वजन के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे। यात्रा के योग बन रहे हैं।

कर्क : कर्क राशि के व्यापारियों के लिए समय ठीक है। आप अपने बिजनेस से बड़ा लाभ कमाएंगे। नौकरीपेशा जातकों को तरक्की के योग हैं। उच्चाधिकारियों से प्रशंसा प्राप्त होगी। इस सप्ताह कर्क राशि के जातकों की रुचि धर्म, अध्यात्म, योग आदि में बढ़ेगी। आर्थिक मामलों के लिए सप्ताह ठीक कहा जा सकता है।

सिंह : सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह आय बढ़ाने वाला रहेगा। अवसर का लाभ लेना सीखें। संपत्ति संबंधी कार्यों में आ रही सारी बाधाएं दूर हो जाएंगी और आप नया भवन, भूमि, खरीदने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। विद्यार्थियों के लिए सप्ताह उत्तम है। परीक्षाओं में सफलता मिलेगी।

कन्या : कन्या राशि के जातकों को प्रत्येक क्षेत्र में राहत वाला रहेगा यह सप्ताह। व्यापारी और नौकरीपेशा लोगों को आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। पुराने समय से चली आ रही परेशानियां कुछ कम होंगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होने से सभी कार्यों में सफलता सुनिश्चित है। प्रेम संबंधों को लेकर सतर्क रहें। रिश्तों में खटास पैदा होगी।

तुला : तुला राशि के जातकों का स्वास्थ्य गड़बड़ा सकता है। विशेष सतर्कता रखें। जलजनित संक्रमण होने का अंदेशा है। नेत्र रोगी सावधान रहें। गर्भवती महिलाओं को भी विशेष सावधानी रखने की जरूरत होगी। पारिवारिक जरूरतों को पूरा करने के लिए कर्ज लेना पड़ सकता है।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि के जातकों के लिए सप्ताह सामान्य है। आर्थिक, पारिवारिक, सामाजिक, बिजनेस, सेहत सभी के लिहाज से अच्छी-बुरी दोनों स्थितियां बन सकती है। सभी स्थिति में सम रहना होगा। परिवार में कुछ अनपेक्षित घटनाएं हो सकती हैं। बुजुर्गों के स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें।

धनु : धनु राशि के जातक चाहे नौकरी कर रहे हों या बिजनेस, आप निजी जीवन और प्रोफेशनल लाइफ में संतुलन बना लेंगे तो मुश्किलें आसानी से हल हो जाएंगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यस्थल पर परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उच्चाधिकारियों से विवाद संभव है। व्यापारियों को अप-डाउन चलता रहेगा।

मकर : मकर राशि के जातकों को इस सप्ताह अपने काम पर ध्यान देना होगा। अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभाएं। किसी भी काम में आलस्य ना करें। काम को कल पर टालने की प्रवृत्ति का त्याग करें। इस कारोबारियों को कार्य विस्तार फिलहाल टालना पड़ेगा। समय ठीक नहीं है, तरक्की रुक सकती है।

कुंभ : कुंभ राशि के जातकों के लिए सप्ताह सामान्य है। ध्यान रखें कि कोई भी कार्य करते समय पूरी सतर्कता रखें। आपकी कमजोरी का फायदा उठाकर कोई आपके साथ धोखाधड़ी कर सकता है।नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्यस्थल पर अधीनस्थों का सहयोग मिलेगा। यदि आप नेत्र रोगी हैं तो छोटी से छोटी परेशानी में भी डॉक्टर को जरूर दिखाएं।

मीन : मीन राशि के जातकों को थोड़ा अवसरवादी बनना पड़ेगा। जिस मौके का लाभ उठा सकें, वहां जरूर उठाएं। लंबे समय से जो काम अटके हुए हैं उन्हें धरातल पर उतारने के लिए प्रयास जारी रखें। फिलहाल तो कोई काम आगे नहीं बढ़ पाएगा। परिवार के सहयोग से कुछ परेशानीभरा समय बीत जाएगा।

चुटकुले

सोनू- यार मेरा भाई दो दिन तक बैंक में नहीं जा सका

मोनू- ऐसा क्यों?

सोनू - क्योंकि उसे सपने में एक लड़की ने थप्पड़ मारा।

मोनू- इसका बैंक में ना जाने से क्या मतलब?

सोनू - अरे बैंक में लिखा था - "हम आपके सपनों को हकीकत में बदलते हैं।"

एक परेशान महिला दूसरी महिला से

क्या बताऊं बहन,

जब बहू थी तो

अच्छी सास नहीं मिली,

अब सास बनी तो

अच्छी बहू नहीं मिली।

श्री राजपूत करणी सेना ने धूमधाम से मनाई सम्राट पृथ्वीराज चौहान जयंती

वीर सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जयंती का नेत्रदीपक आयोजन श्री राजपूत करणी सेना, मुंबई द्वारा किया गया। इस दौरान राष्ट्र गौरव पृथ्वीराज चौहान को याद किया गया एवं उनकी वीरता पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बुधवार को अंधेरी पश्चिम, डी. एन. नगर मे करणी सेना मुंबई मे आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ करणी सेना मुंबई अध्यक्ष दिलीप राजपूत ने किया। विख्यात कलाकार एवं करणी सेना की मुंबई महिला अध्यक्ष आरती नागपाल, मुंबई प्रदेश के महासचिव दीपक चव्हान उपस्तिथ थे। वक्ताओं ने वीरों, महापुरुषों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का स्मरण और उनके आदर्शों का अनुसरण करने व समाज में भाईचारे के साथ रहने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान राजपूत वंश का उदय, राजपूत समाज में नारी का महत्व शीर्षक पर परिसंवाद का आयोजन हुआ। इस मौके पर विराज राजपूत, प्रेम चव्हाण, जय चव्हाण, निहाल भाटी विनायक हाताटागले, अनिताजी, ललित सोलंकी आदि मौजूद रहे।

छायाकार : रमाकांत मुंडे मुंबई

कोवैक्सीन का टीका ले चुके लोग अभी नहीं जा पाएंगे विदेश यात्रा पर, WHO की लिस्ट में शामिल नहीं है भारत बायोटेक की वैक्सीन

कोरोना वायरस की दूसरी लहर से भारत सबसे अधिक प्रभावित हुआ है और इधर कोरोना पाबंदियों की वजह से वैश्विक आवाजाही पर भी प्रतिबंध है। मगर अब जब पूरी दुनिया में वैक्सीनेशन की रफ्तार तेज होने लगी है तो कई देशों ने ट्रेवल बैन में छूट देने का ऐलान किया है। कई देशों ने वैक्सीन लगवा चुके लोगों के लिए अपनी नीतियों में छूट दी है और उनके लिए अपने देश के दरवाजे खोलने का ऐलान कर दिया है।

मगर उन लोगों के लिए अब भी विदेश जाने के दरवाजे बंद रहेंगे, जिन्होंने भारत बायोटेकी की कोक्सीन लगवाई है। जी हां, अगगर आप भारत बायोटेक की वैक्सीन कोवैक्सीन की दोनों खुराक लगवा चुके हैं तब भी शुरुआती महीनों में इंटरनेशनल ट्रेवल पर आपको छूट नहीं मिलेगी। टीओआई की खबर के मुताबिक, दरअसल जिन देशों ने अपने यहां इंटरनेशनल ट्रेवल की छूट दी है,

या तो वे अपनी खुद की रेग्युलेटरी अथॉरिटी द्वारा स्वीकृत की गई वैक्सीन को मान्यता दे रहे हैं या फिर विश्व स्वास्थ्य संगठन की इमर्जेंसी यूज लिस्टिंग (EUL) की तरफ से स्वीकृत की गई वैक्सीन को ही मान्य मान रहे हैं। इस लिस्ट में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की कोविशील्ड, मॉडर्ना, एस्ट्राजेनेका, फाइजर, जानसेन (अमेरिका और नीदरलैंड में) और सिनोफार्म/BBIP शामिल है, मगर मगर कोवैक्सिन का नाम कहीं नहीं है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की लेटेस्ट गाइडेंस डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक, इमर्जेंसी यूज लिस्टिंग में शामिल होने के लिए भारत बायोटेक की ओर से इच्छा जाहिर की गई है, मगर संगठन की तरफ से और जानकारी मांगी गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि प्री-सबमिशन मीटिंग मई-जून में प्लान की गई है, जिसके बाद कंपनी की तरफ से डोजियर सबमिट किया जाएगा। जिसकी समीक्षा की जाएगी और फिर इस पर फैसला लिया जाएगा। इस प्रक्रिया में अभी लंबा वक्त लग सकता है।

कोरोना के साथ ब्लैक फंगस सिर्फ भारत में, PM कभी भी कर सकते हैं थाली बजाने की घोषणा-राहुल गांधी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ब्लैक फंगस महामारी को लेकर सरकार पर हमला करते हुए कहा है कि मोदी सरकार के कुशासन के कारण सिर्फ भारत में कोरोना के साथ यह नयी महामारी फैल रही है। राहुल गांधी ने महामारी का प्रसार रोकने के लिए पिछले साल लॉकडाउन शुरू करने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के थाली और ताली बजाने के आह्वान पर चुटकी लेते हुए कहा कि मोदी कभी भी इस बार ब्लैक फंगस महामारी से जूझने के लिए फिर ताली-थाली बजाने की घोषणा कर सकते हैं।

उन्होंने ट्वीट किया "मोदी सिस्टम के कुशासन के चलते सिर्फ भारत में कोरोना के साथ-साथ ब्लैक फ़ंगस महामारी है। वैक्सीन की कमी तो है ही, इस नयी महामारी की दवा की भी भारी कमी है। इससे जूझने के लिए प्रधानमंत्री ताली-थाली बजाने की घोषणा करते ही होंगे।"

आपको बता दें कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी लगातार कोरोना संकट को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ट्वीट के जरिए हमला करते रहते हैं। कल उन्होंने टीकाकरण की रफ्तार बढ़ाने की अपील की थी। राहुल गांधी ने देश में कोरोना रोधी टीकों की उपलब्धता की कथित कमी को लेकर शुक्रवार को चिंता जताई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि वह विलंब किए बिना लोगों का टीकाकरण करवाना चाहिए।

उन्होंने देश के कई जिलों में टीके की कमी के दावे संबंधी एक खबर साझा करते हुए ट्वीट किया, "मोदी जी, (लोगों का) टीकाकरण करवाइए। विलंब मत करिए।"

उधर, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने सवाल किया कि कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में कमी के बावजूद प्रतिदिन मरने वालों की संख्या 4000 से ऊपर क्यों बनी हुई है? उन्होंने ट्वीट किया, "चिकित्सा विशेषज्ञ जो कई साक्षात्कार दे रहे हैं, उन्हें निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर देना चाहिए: जब रोजाना नए संक्रमणों की संख्या 4 लाख से घटकर 2.5 लाख के आसपास हो गई है, तो मरने वालों की संख्या अभी भी प्रति दिन 4000 से ऊपर क्यों है?"

सरकार ने वैक्सीन की स्टॉक व WHO की गाइडलाइन की अनदेखी की...देश में टीकों की किल्लत पर बोला सीरम

कोरोना वायरस से बुरी तरह जूझ रहे भारत में टीकाकरण अभियान चल रहा है। देश में 18+ से लेकर अलग-अलग प्राथमिकता समूह को टीका दिया जा रहा है, मगर देश के कई हिस्सों में वैक्सीन की किल्लत भी हो रही है। कहीं 18+ वालों को वैक्सीन नहीं मिल रही तो कहीं 45+ को इंतजार करना पड़ रहा है। देश में जारी वैक्सीन की किल्लतों के बीच पुणे बेस्ड सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सुरेश जाधव ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार ने वैक्सीन के स्टॉक के बारे में जाने बगैर और विश्व स्वास्थ्य संगठन की गाइडलाइन्स पर विचार किए बिना कई आयु वर्गों के लिए टीकाकरण की इजाजत दे दी। 'हील हेल्थ' की ओर से आयोजित स्वास्थ्य से संबंधित एक ई-समिट में सीरम के सुरेश जाधव ने आरोप लगाया कि सरकार ने बिना ये आकलन किए कि भारत में कितनी वैक्सीन उपलब्ध है और इसे लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन की क्या गाइडलाइंस हैं, कई आयुवर्ग के लोगों को वैक्सीनेशन की मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा कि देश को डबल्यूएचओ के दिशा-निर्देशों का पालन करना चाहिए और इसी के अनुसार प्राथमिकता के आधार पर टीकाकरण किया जाना चाहिए। सुरेश जाधव ने आगे कहा कि शुरू में 30 करोड़ लोगों को वैक्सीन दी जानी थी, जिसके लिए 60 करोड़ खुराक की जरूरत थी, मगर हमारे इस लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही यह जाने बगैर कि हमारे पास कितनी वैक्सीन उपलब्ध है, सरकार ने पहले 45 साल से ऊपर के और फिर 18 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों के लिए टीकाकरण के दरवाजे खोल दिए।

मध्य प्रदेश में इस तारीख से मिलेगी लॉकडाउन में छूट, शिवराज बोले- अनंतकाल के लिए बंद नहीं रख सकते

कोरोना की दूसरी लहर के प्रकोप के कारण देश के कुछ राज्यों को छोड़कर सभी में लॉकडाउन है। जरूरी सामानों की खरीददारी के लिए कुछ ही घंटों की छूट मिली हुई है। प्रतिबंध और स्वास्थ्य सुविधाओं में इजाफे के बाद कोरोना के रोजाना सामने आने वाले नए मामलों में धीरे-धीरे कमी देखने को मिल रही है। इस बीच मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि हम अनंतकाल के लिए बंद नहीं रख सकते हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि हम अनंतकाल तक बंद नहीं रख सकते हैं। हमें 1 जून से धीरे-धीरे अनलॉक करना है।

शिवराज ने MP को 31 मई तक कोरोनामुक्त करने का लक्ष्य दिया

शिवराज सिंह चौहान ने आज कहा कि राज्य में कोरोना की स्थिति नियंत्रण में आ गयी हैं, लेकिन साथ में उन्होंने चेताते हुए कहा कि इसके बावजूद जरा सी लापरवाही से फिर स्थितियां काबू से बाहर जा सकती हैं। शिवराज ने संकेत दिए कि यदि स्थितियां इसी तरह नियंत्रण में रहीं, तो एक जून से क्रमिक तरीके से कोरोना कफ्यू में राहत दी जा सकती है। लेकिन इस दौरान स्थानीय स्थितियों पर ध्यान देकर निर्णय लिया जाएगा।

उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से कोरोना संबंधी महत्वपूर्ण बैठक के जरिए राज्य के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को संबोधित किया। सीएम ने कोरोना टेस्ट और बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि राज्य में सभी 52 जिलों को 31 मई तक कोरोनामुक्त करने के प्रयास किए जाएं। हालाकि कुछेक मामले आ सकते हैं, लेकिन जिस तरह से हमने अब तक दिनरात प्रयास कर कोरोना पर काबू पाया है, उसी प्रकार कार्य करके 31 मई तक जिलों को कोरोनामुक्त किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस बहुरूपिया की तरह है। अथार्त उसकी प्रकृति का अनुमान लगाना कठिन है। इसके मामले कम होते होते फिर से अचानक बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन, जनप्रतिनिधि और आम नागरिक मिलकर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें, बेहतर गुणवत्ता के मास्क लगाएं और कोरोना एप्रोप्रिएट बिहेवियर (कोरोना रोकने के लिए उपयुक्त व्यवहार) का पालन करें, तो कोरोना को बढ़ने से आसानी से रोका जा सकता है।

शिवराज ने कहा कि किसी भी नागरिक को जरा सी सर्दी, खांसी या इस तरह के लक्षण हों तो वे तुरंत सामने आएं और अपनी कोरोना संबंधी जांच कराएं। वहीं अन्य नागरिक और प्रशासन भी ऐसे लोगों पर नजर रख तुरंत उनके इलाज की व्यवस्था करें। ऐसा करके कोरोना वायरस के प्रसार को रोका जा सकता है। यदि हम यह सब करने में सफल रहे तो तीसरे लहर को भी आने से रोका जा सकता है।

गाजियाबाद के 41 गांव हुए कोरोना मुक्त, जानिए किन नियमों का किया गया पालन

गाजियाबाद की 161 ग्राम पंचायतों में से 41 पूरी तरह से कोरोना मुक्त हो गई है। इनमें आगे भी कोरोना संक्रमण न फैले इसके लिए अलग तरह का लॉकडाउन जारी किया गया है। इन गांवों में स्वैच्छिक सामुदायित कंटेनमेंट घोषित करते हुई नई गाइडलाइन जारी की गई है। इन गाइडलाइन का पालन गांव का हर व्यक्ति करेगा। पंचायत चुनाव के बाद गावों में कोरोना संक्रमण के मामलों में बेताहाशा बढोत्तरी देखी गई है। हालांकि गांव को लेकर पहले ही इसको लेकर काफी सर्तक रहे है। पिछले साल गाजियाबाद का देहात क्षेत्र कोरोना से 90 फीसदी तक मुक्त रहा है। इस बार लगातार केस सामने आए है। सरकारी रिपोर्ट की माने तो इस समय गाजियाबाद में 41 गांव पूरी तरह से कोरोना मुक्त हो चुके हैं। इन गांवों कोराना का केस मिलते ही लोगों ने सूझबूझ का परिचय दिया। जो लोगों बीमार हुए उन्हें तत्काल क्वरंटाइन करते हुए उनकी इलाज शुरू कराया। इसका नतीजा यह हुआ कि यह गांव शुक्रवार तक पूरी तरह से कोरोना मुक्त मिले। यानि इनमें गांव में शुक्रवार को एक भी कोरोना का मरीज दर्ज नहीं है। अब इन गांवों में कोरोना संक्रमण दोबारा न फैलने इसके लिए नई शुरूआत की गई है। इन गावों में स्वैच्छिक सामुदायिक कंटेनमेंट कार्यक्रम लागू किया गया है। जिसके तहत यहां रहने वाले लोग इस तरह के नियमों का पालन करेंगे ताकि उनका गांव इस बीमारी से मुक्त रहे। प्रशासन की ओर से इस नए नियम के लिए गाइडलाइन जारी की गई है। इन गाइडलाइन का पालन करने व कराने की जिम्मेदारी भी गांव

वालों की होगी। कोरोना मुक्त रखने के लिए इन नियमों का किया जाएगा पालन -अति आवश्कता होने पर ही लोग अपने घरों से निकलेंगे-गांवों की दुकानों का खुलने का समय निधार्रित होगा -दुकान पर सामान लेते व देते समय मास्क लगाकर रखेंगे-सामान देने से पहले व दुकान में रखने के बाद उसके सेनेटाइटाइज किया जाएगा

-दुकानों के बाहर निधार्रित दूरी पर गोले खीचे जाएंगे

-गांवों में कोविड जांच स्तल व आईसोलेशन वार्ड चिन्हित होगा

-गांव में बाहर से आने वाले हर व्यक्ति की जांच होगी

-पॉजिटिव रिपोर्ट आने पर उसे आईसोलेशन वार्ड में रहना होगा

-निगेटिव रिपोर्ट आने पर ही व्यक्ति को गांव में प्रवेश दिया जाएगा -ग्राम प्रधान की ओर से दो लोगों को कंम्युनिटी पुलिसिंग के लिए रखा जाएगा

-नियमों का पालन कराने के लिए गांवों के मंदिर या मस्जिद से उदघोषण कराई जाएगी

-गांव में किसी भी रूप में लोग समूह में एकत्र नहीं होंगे

-इन गावों में ग्राम निगरानी समितियों को अधिक सक्रिय किया जाएगा अन्य गांवों में भी कराया जाएगा इन नियमों का पालन कोरोना मुक्त गावों में जो नियम लागू किए गए हैं यही नियम बाकी गांवों में भी लागू कराए जाएगा। इन गावों में लोगों की जांच करके इनको दवा उपलब्ध कराई जाएगी। जो लोग पॉजिटिव पाए जाएंगे उनको गांव में या सामुदायिक केंद्र में बने आईसोलेशन वार्ड में शिफ्ट कराया जाएगा। नगर निगम के बार्डों का भी होगा माइक्रो सर्वे

जिलाधिकारी ने बताया कि गांवों की तर्ज पर नगर निगम के वार्डों की भी माइक्रो सर्वे कराया जाएगा। यहां भी ऐसे वार्ड व पॉकेज चिन्हित किए जाएंगे जो कोरोना मुक्त है। उसके बाद यहां भी स्वैच्छिक कंटेनमेंट कार्यक्रम लागू कराया जाएगा। ताकि लोग अपने क्षेत्र को कोरोना से मुक्त रख सके। मटियाला गांव का किया निरीक्षण तहसील सदर क्षेत्र में मटियाला गांव कोरोना से मुक्त हैं। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने गांव का दौरा किया। यहां के लोगों से बात की और यहां बने सामुदायिक केंद्र को आईलोसेशन वार्ड में तब्दील करने के निर्देश दिए। इसके देखरेख के लिए महिला सिंह को चौकीदार, हरिकिशोर, रविंद्र सिंह व योगेश शर्मा को स्वयं सेवक के रूप में तैनात किया गया। अजय शंकर पांडेय, जिलाधिकारी गाजियाबाद का कहना है कि जो गांव कोरोना मुक्त हैं उनमें स्वैच्छिक कंटेनमेंट कार्यक्रम लागू किया गया है। यहां कोराना न होते हुए भी लोग कडाई से नियमों का पालन स्वयं करेंगे। यह नई पहल कोरोना संक्रमण की चेन तोड़ने में काफी मददगार होगी। इन नियमों का बाकी स्थानों पर भी लागू कराया जाएगा।

ऑक्सीजन कंसंट्रेटर केस-दिल्ली पुलिस ने फिर मांगी नवनीत कालरा की 5 दिन की रिमांड

दिल्ली पुलिस ने दक्षिणी दिल्ली के एक रेस्तरां में कथित तौर पर ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की जमाखोरी से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार कारोबारी नवनीत कालरा की 5 दिन की और पुलिस रिमांड मांगी है। साकेत कोर्ट ने गुरुवार को नवनीत कालरा को दोबारा पुलिस रिमांड पर भेजने की अपील करते हुए उसे 14 दिन की न्यायिक हिसारत में भेज दिया था। पुलिस ने अदालत ने आग्रह किया था कि नवनीत की रिमांड अवधि को पांच दिन और बढ़ा दिया जाए, लेकिन अदालत ने पुलिस की अपील ठुकरा दी थी। दिल्ली पुलिस ने अदालत से मांग की है कि आरोपी की रिमांड अवधि पांच दिन और बढ़ा दी जाए, ताकि कालाबजारी व जमाखा◌ेरी के इस बड़े मामले की गहराई से तफ्तीश हो सके। इससे पहले गिरफ्तारी के बाद कोर्ट ने आरोपी नवनीत कालरा को तीन दिन की पुलिस रिमांड में भेजा था। दिल्ली पुलिस ने उसे बीते रविवार को गुरुग्राम से गिरफ्तार कर लिया था। कालरा फिलहाल न्यायिक हिरासत में है और वकीलों के माध्यम से दिल्ली हाईकोर्ट से जमानत पाने की कोशिश कर रहा है। जानकारी के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को दिल्ली में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की जमाखोरी और कालाबाजारी के आरोप में गिरफ्तार कारोबारी नवनीत कालरा और साथियों के कई परिसरों में छापेमारी की थी। अधिकारियों ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में कालरा के घर और मैट्रिक्स सेल्युलर के ऑफिस समेत नौ जगहों पर छापे मारे। ईडी ने कालरा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया है। ईडी ने बताया कि दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर ईसीआईआर फाइल की गई है।

गौरतलब है कि कोरोना काल में 7 मई को दिल्ली पुलिस द्वारा की गई छापेमारी के दौरान दक्षिणी दिल्ली के खान मार्केट स्थित नवनीत कालरा के तीन रेस्टोरेंट्स- खान चाचा, टाउन हॉल और नेगा एंड जू और मैट्रिक्स सेल्युलर के ऑफिस से 524 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की बरामदगी के बाद से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी।

SPORTS खेल जगत

भारतीय टीम की सफलता के पीछे विराट कोहली और रवि शास्त्री का बड़ा हाथ मानते हैं उमेश यादव, जानें क्या कुछ कहा

पिछले कुछ सालों में टीम इंडिया का प्रदर्शन घरेलू और विदेशी धरती दोनों पर ही काफी शानदार रहा है। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उनके घर में टेस्ट सीरीज में शिकस्त दी, जबकि घरेलू सीरीज में इंग्लैंड को तीनों ही फॉर्मेट में हार का स्वाद चखाया। टीम के तेज गेंदबाज उमेश यादव ने भारतीय टीम की कामयाबी का क्रेडिट कप्तान विराट कोहली और हेड कोच रवि शास्त्री को दिया है। उन्होंने कहा कि कोहली-शास्त्री खिलाड़ियों को खुद की काबिलियत दिखाने की पूरी छूट देते हैं और यही वजह है कि प्लेयर्स दमदार प्रदर्शन करते हैं। पीटीआई के साथ बातचीत करते हुए उमेश ने कहा, 'विराट और रवि भाई ने काफी मेहनत की है। जिस तरह से विराट ने टीम की कप्तानी की और टीम को संभाला, जो आजादी और कॉन्फिडेंस कप्तान और कोच ने टीम को दिया उसका काफी असर पड़ा, क्योंकि एक गेंदबाज या बल्लेबाज के तौर पर जब आप पूरी तरह से फ्री होकर खेलते हैं तो यकीनन आप ज्यादा बढ़िया खेल पाते हैं। जब टीम मैदान पर उतरती है, तो एक तरह का एग्रेसन रहता है, एक बैकअप और सपोर्ट की फीलिंग रहती है। सभी 11 खिलाड़ी का एक दूसरे से तालमेल रहता है। तो, कोचों और कप्तान को इसका क्रेडिट देना चाहिए। खिलाड़ी काफी आराम से रहते हैं, एक टीम भावना है और एक अच्छा वातावरण है।' उमेश यादव को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है और वह 2 जून को टीम के साथ इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे। उमेश चोटिल होने के चलते इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई घरेलू टेस्ट सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं रहे थे। यह चोट उमेश को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान लगी थी, जिसके बाद उनको बीच दौरे से ही भारत वापस लौटना पड़ा था। उमेश के अलावा ,तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और रवींद्र जडेजा की भी टीम में वापसी हुई है।

आशीष नेहरा ने बताया, वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में कैसा होना चाहिए भारतीय बॉलिंग अटैक

भारत और न्यूजीलैंड के बीच साउथम्प्टन में 18 से 22 जून के बीच होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल मुकाबले के बाद फैन्स को पहला विजेता मिल जाएगा। भारत पहले से ही आईसीसी के तीनों खिताब जीतने वाले चुनिंदा देशों में शामिल है। ऐसे में अगर भारत डब्ल्यूटीसी का खिताब भी अपने नाम करने में कामयाब हो जाता है तो आईसीसी के सभी चारों टाइटल जीतने वाला पहला देश बन जाएगा। न्यूजीलैंड इस मैच के लिए इंग्लैंड पहले ही पहुंच चुका है, जबकि भारत 2 जून को रवाना होगा। इस खास मैच के लिए भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा ने टीम इंडिया के संभावित बॉलिंग अटैक को चुना है। आशीष नेहरा ने 'टेलीग्राफ' से बात करते हुए कहा कि, 'टीम इंडिया और न्यूजीलैंड दोनों टीमों के पास बेहतरीन तेज गेंदबाज हैं, लेकिन अगर आप हमारा बॉलिंग अटैक देखोगे तो पाओगे कि मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह फ्लैट ट्रैक पर भी शानदार गेंदबाजी कर सकते हैं। सिर्फ शमी और बुमराह ही नहीं, बल्कि हमारे पास ईशांत शर्मा भी हैं। आप उनकी उपलब्धियों को देखेंगे हैं तो पाएंगे कि उन्होंने 100 टेस्ट खेले हैं। उनकी उपस्थिति मात्र ही टीम इंडिया का मजबूत पक्ष है।' नेहरा ने इस दौरान यह भी कहा कि टीम इंडिया अन्य तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के साथ भी उतर सकती है। सिराज ने अब तक भारत की तरफ से मात्र 5 मैच खेले हैं।

नेहरा ने कहा कि अगर इंग्लैंड हरा विकेट तैयार करता है तो भारत को सिराज को मौका देना चाहिए और अगर ऐसा नहीं होता है तो टीम को शमी,

बुमराह और ईशांत के साथ ही उतरना चाहिए। नेहरा ने स्पिनर के तौर पर आर अश्विन और रविंद्र जडेजा का नाम लिया।

कोरोना से उबरने के बावजूद पूरी तरह फिट नहीं हुए हैं वरुण चक्रवर्ती, कहा- अब भी महसूस कर रहा हूं कमजोरी

इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन के बीच में कोरोना पॉजिटिव पाए जाने वाले कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाड़ी वरुण चक्रवर्ती ने बताया है कि अभी पूरी तरह से फिट नहीं हैं। वरुण ने कहा कि वह भले ही इस जानलेवा बीमारी को मात देने में सफल रहे हैं, लेकिन वह अब भी कमजोरी महसूस कर रहे हैं। वरुण आईपीएल स्थगित होने से पहले कोरोना की चपेट में आने वाले वरुण पहले खिलाड़ी थे और यह बात भी सामने आई थी कि केकेआर का यह स्पिन गेंदबाज बायो-बबल को तोड़कर स्कैन के लिए हॉस्पिटल गया था। ईएसपीयन क्रिकइंफो के साथ बातचीत करते हुए वरुण ने कहा, 'मैं अब अच्छा हूं और घर पर ही ठीक हो रहा हूं। कोविड—19 के बाद की परेशानियों के कारण मैं अभी प्रैक्टिस नहीं कर पा रहा हूं। मुझे हालांकि खांसी या बुखार नहीं है लेकिन कमजोरी है। गंध और स्वाद का अनुभव कभी-कभार होता है लेकिन मुझे जल्द ही अभ्यास शुरू करने की उम्मीद है।' चक्रवर्ती 11 मई को इस बीमारी से उबर गए थे और अभी वह चेन्नई स्थित अपने आवास पर फिटनेस हासिल कर रहे हैं।

चेतेश्वर पुजारा की बैटिंग को कंगारू खिलाड़ी मार्कस हैरिस ने बताया ऑस्ट्रेलिया जैसा, वसीम जाफर ने कर दिया ट्रोल

गाबा के मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली चेतेश्वर पुजारा की यादगार पारी की हाल में ही कंगारू खिलाड़ी मार्कस हैरिस ने जमकर तारीफ की थी। हैरिस ने कहा था कि पुजारा एकदम ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों की तरह खेले थे। पुजारा को लेकर दिए गए हैरिस के बयान पर भारत के पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर ने ट्विटर पर मजे लिए हैं। जाफर ने ट्विटर पर तंज कसते हुए कहा कि उनको आश्चर्य है कि ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियन की तरह क्यों नहीं खेलते हैं। दरअसल, मार्कस हैरिस ने पुजारा की बैटिंग की तारीफ करते हुए एक यूट्यूब चैनल से बात करते हुए कहा था, 'आखिरी दिन देखना लायक था। हम यह सोच रहे थे कि वह पूरा दिन रन बनाने के लिए जाएंगे या फिर नहीं। मुझे लगता है कि ऋषभ पंत ने उस दिन सबसे शानदार पारी खेली थी, लेकिन वे पुजारा ही थे, जिन्होंने हर मुसीबत का डटकर सामना किया, ऐसा लगा कि उन्होंने कुछ-कुछ ऑस्ट्रेलियन की तरह बैटिंग की, सबकुछ चेस्ट पर लेकर वह आगे बढ़ते चले गए। बाकी सभी टीम ने उनके ईद-गिर्द बैटिंग की।' हैरिस के इस बयान पर जाफर ने अपने ट्विटर पर लिखा, 'आश्चर्य है कि ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियन की तरह क्यों नहीं खेलते हैं।'

देश परदेश

चीन में हिली धरती, भूकंप के तेज झटकों से तीन लोगों की मौत, 27 हुए घायल

चीन में युन्नान प्रांत की यांग्बी यी स्वायत्त काउंटी में एक के बाद एक आए भूकंप में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हो गए। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के प्रांत के प्रमुख यांग गुओजोंग ने बताया कि दाली बाइ स्वायत्त प्रांत की सभी 12 काउंटी और शहरों में भूकंप के झटके महसूस किए गए लेकिन यांग्बी सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। यांग्बी काउंटी में दो लोगों की और योंगपिंग काउंटी में एक व्यक्ति की मौत हुई। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ ने बताया कि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए तथा 24 अन्य को मामूली चोटें आयी हैं। भूकंप से 20,192 मकानों में रह रहे करीब 72,317 निवासी प्रभावित हुए। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र (सीईएनसी) के अनुसार, यांग्बी में रात नौ बजे से 11 बजे तक 5.0 तीव्रता से अधिक के चार भूकंप आए। इस क्षेत्र में देर रात दो बजे तक भूकंप के बाद के 166 झटके महसूस किए गए। बचाव दलों को भूकंप से प्रभावित क्षेत्रों में भेजा गया है और बचाव अभियान चल रहा है। शिन्हुआ ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि उत्तर पश्चिम चीन के किंगघई प्रांत में शनिवार को 7.4 तीव्रता का भूकंप आया लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। सीईएनसी के मुताबिक, बीजिंग के समयानुसार शुक्रवार देर रात दो बजकर चार मिनट पर प्रांत में गोलोग तिब्बत स्वायत्त प्रांत की मादुओ काउंटी में भूकंप आया। मादुओ से 385 किलोमीटर दूर प्रांतीय राजधानी शहर शिनिंग के निवासियों ने भी भूकंप के झटके महसूस किए। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि अभी किसी के हताहत होने और मकान के ढहने की कोई खबर नहीं है। साथ ही बिजली तथा संचार सुविधाएं भी सामान्य हैं।हालांकि, भूकंप प्रभावित इलाके में राजमार्ग के कुछ हिस्से और पुल ढह गए हैं।

लोगों की कमर तोड़ रहा इमरान का 'नया पाकिस्तान', महंगाई की मार झेल रहे आवाम पर टूटा मुसीबत का एक और पहाड़

पहले से ही तेल की कीमतों, दैनिक उपयोग की वस्तुओं और फूड आइटम्स के दामों में बढ़ोतरी से पाकिस्तान की आवाम कराह रही थी, मगर नया पाकिस्तान का दावा करने वाले प्रधानमंत्री इमरान खान की सरकार ने जनता पर और एक और हथौड़ा दे मारा है। महंगाई के बोझ तले दबी पाकिस्तानी आवाम को उस वक्त एक और बड़ा झटका लगा, जब संघीय कैबिनेट ने बिजली शुल्क बढ़ाने का फैसला लिया। समाचार एजेंसी एएनआई ने पाकिस्तानी टीवी चैनलों के हवाले से बताया है कि पाकिस्तान सरकार ने बिजली की दर 1.72 पर यूनिट बढ़ा दी है। इस फैसले पर शुक्रवार को कैबिनेट ने भी मुहर लगा दी है। पाकिस्तानी कैबिनेट ने वित्त वर्ष 2020 की चौथी तिमाही में 82 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि को मंजूरी दी है। वहीं, इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सरकार ने समायोजन के लिहाज से प्रति यूनिट 90 पैसे की बढ़ोतरी को मंजूरी दी थी। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, बिजली टैरिफ में वृद्धि अक्टूबर 2021 से लागू की जाएगी। गौरतलब है कि इससे पहले मार्च 2021 में नेशनल इलेक्ट्रिक पावर रेगुलेटरी अथॉरिटी (नेप्रा) ने बिजली दर में 89 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी की अधिसूचना जारी की थी।

इजराइल-हमास के बीच युद्ध पर लगा विराम, जानें 11 दिनों तक चले खूनी खेल में क्या-क्या हुआ

इजराइल और फलस्तीन के चरमपंथी समूह हमास के बीच संघर्ष विराम पर सहमति बन गई है। इसके बाद 11 दिन तक चले निर्मम युद्ध पर विराम लग गया। यह 11 दिन का संघर्ष 2014 के गाजा युद्ध के बाद से सबसे भीषण संघर्ष रहा है। इसमें 240 से अधिक लोगों की मौत हो गई। गाजा पट्टी में बड़े पैमाने पर बर्बादी हुई और इस अस्थिर क्षेत्र के कहीं अधिक अस्थिर होने का डर पैदा हो गया था। यह संघर्ष 10 मई को शुरू हुआ था जब कई हफ्तों से पूर्वी येरुशलम में बढ़ते इजराइली-फलस्तीनी तनाव ने संघर्ष का रूप ले लिया था।

दबाव का असर दिखा

यह संघर्ष विराम, अमेरिका, मिस्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों की तरफ से हिंसा को रोकने के लिए बनाए जा रहे दबाव के बाद शुक्रवार को प्रभावी हुआ। इजरायली सुरक्षा कैबिनेट ने गुरुवार देर रात को संघर्ष विराम को स्वीकार करने के पक्ष में वोट डाले जब दक्षिण इजरायल और गाजा दोनों उन्माद में थे। प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू के कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया कि सुरक्षा कैबिनेट परस्पर एवं बिना शर्त शत्रुता समाप्त करने पर सर्वसम्मति से सहमत हुआ। बयान में कहा गया, नेताओं ने कहा है कि जमीनी हकीकत अभियान के भविष्य को निर्धारित करेगी। हालांकि, नेतन्याहू ने सुरक्षा बलों (आईडीएफ) को उस स्थिति के लिए तैयार रहने को कहा है कि अगर हमास मिस्र के संघर्षविराम प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करता है। गाजा पट्टी और वेस्ट बैंक में जश्न संघर्ष विराम के बाद गाजा पट्टी और वेस्ट बैंक में भी जश्न मनाते हुए प्रदर्शन किए गए। सोशल मीडिया पर अपलोड किए गए कई वीडियो में आतिशबाजी, गाना-बजाना और लोग सड़कों पर परेड करते दिख रहे हैं। इजरायल और हमास दोनों ने संघर्ष में अपनी-अपनी जीत का दावा किया है। संघर्ष में मारे गए करीब 240 लोगों में एक भारतीय देखभाल कर्ता भी शामिल है। केरल के इदुक्की जिले की रहने वाली 30 वर्षीय सौम्या संतोष की गाजा से फलस्तीनियों चरमपंथियों द्वारा किए गए रॉकेट हमले में इजरायल के एशकेलोन में मौत हो गई थी।

मिस्र ने मध्यस्थता की पहल की थी मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल सीसी ने इजरायल और हमास के बीच मिस्र की मध्यस्थता से हुए संघर्ष विराम की सफलता के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का शुक्रिया किया। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि फलस्तीनियों और इजराइलियों को सुरक्षित तरीके से जीवन जीने का समान रूप से अधिकार है और स्वतंत्रता, समृद्धि एवं लोकतंत्र के समान प्रावधानों को प्राप्त करने का भी हक है।

सुरक्षित जीवन जीने का अधिकार बाइडन ने गुरुवार को व्हाइट हाउस में कहा, मेरा मानना है कि फलस्तीनियों और इजराइलियों को समान रूप से सुरक्षित जीवन जीने का तथा स्वतंत्रता, समृद्धि एवं लोकतंत्र के समान उपायों को हासिल करने का अधिकार है। मेरा प्रशासन उस दिशा में हमारी शांत एवं अनवरत कूटनीति को जारी रखेगा। मेरा मानना है कि हमारे पास प्रगति करने के वास्तविक अवसर हैं और मैं इसपर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। बाइडन ने कहा कि अमेरिका संयुक्त राष्ट्र के साथ मिलकर गाजा के लोगों को त्वरित मानवीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।4,000 से अधिक रॉकेट दागे

इजरायल ने गाजा में सैकड़ों हवाई एवं जमीनी हमले किए जबकि फलस्तीनी चरमपंथियों ने पिछले सोमवार से मध्य एवं दक्षिणी इजरायल में 4,000 से अधिक रॉकेट दागे। हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक इजरायली हवाई हमलों में 65 बच्चों समेत 230 फलस्तीनियों की मौत हो गई। आईडीएफ और इजरायल की आपात सेवा के मुताबिक गाजा से फलस्तीनी चरमपंथी के हमले में दो बच्चों समेत कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई।

वार्ता बहाल करने में सहायक माहौल बनाने का प्रयास हो: भारत भारत ने रेखांकित किया है कि इजरायल और फलस्तीन के बीच वार्ता बहाल करने में सहायक माहौल तैयार करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए। भारत ने जोर देकर कहा कि क्षेत्र में दीर्घकालिक शांति और स्थिरत कायम के लिए अर्थपूर्ण वार्ता का दौर लंबा चल सकता है। पश्चिम एशिया और फलस्तीन की स्थिति पर चर्चा के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा की बुलाई गई बैठक में बोलते हुए भारत के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत एवं स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने कहा, हम लगातार जोर दे रहे हैं कि तत्काल तनाव को कम करना इस वक्त की जरूरत है ताकि हिंसा की कड़ी को तोड़ा जा सके। हम आह्वान करते हैं कि तनाव को बढ़ाने वाले किसी भी कदम से बचना चाहिए। इसके साथ ही एक तरफा तरीके से यथास्थिति बदलने की कोशिश से भी बचना चाहिए।

हमास के अधिकारी ने कहा, मिसाइलों की कोई कमी नहीं

गाजा की लड़ाई धीरे-धीरे शांत होने और संघर्षविराम की उम्मीदें बढ़ने के साथ ही हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को एक साक्षात्कार में कहा कि फलस्तीनी चरमपंथी समूह के पास मिसाइलों की कोई कमी नहीं है और अगर वह चाहे तो इजरायल पर कई महीनों तक मिसाइलें दागना जारी रख सकता है। ओसामा हमदान ने हमास चरमपंथियों के साथ 11 दिन से जारी निर्मम युद्ध में संघर्षविराम की इजरायल की घोषणा से कुछ घंटे पहले यह बात कही। गुरुवार देर रात की घोषणा में बताया गया कि मिस्र के एक प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया है।

लेखक अभिलाष अवस्थी द्वारा लिखित कोरोना पर दुनिया का प्रथम उपन्यास "पीपल पर घोंसले नहीं होते!" का विमोचन हुआ

राम अग्निहोत्री

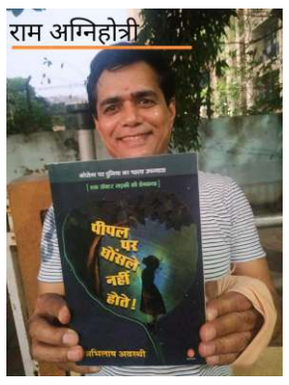

मुंबई। बहुमुखी प्रतिभा के धनी वरिष्ठ पत्रकार व विभिन्न अखबारों व पत्रिकाओं के संपादक रह चुके लेखक अभिलाष अवस्थी द्वारा कोरोना पर दुनिया के प्रथम उपन्यास "पीपल पर घोंसले नहीं होते!"(एक अविस्मरणीय और महान प्रेमगाथा) मुंबई रिलीज हुआ। जिसका प्रकाशन प्रलेक प्रकाशन द्वारा किया गया है और जिसका मूल्य 300 रुपए है। यह पुस्तक एमेज़न और अन्य साइट पर उपलब्ध है। उपन्यास "पीपल पर घोंसले नहीं होते!" में मनु और श्रद्धा के प्रेम की। यद्यपि चरित्रों के नामों से यह कथा प्रसाद की 'कामायनी' और कथा में वर्णित प्रेम की उत्कटता व अनन्यता की वजह से धर्मवीर भारती के उपन्यास 'गुनाहों का देवता' की याद दिलाती है, तथापि इस कथा की पृष्ठभूमि एवं परिप्रेक्ष्य उक्त दोनों ही रचनाओं से सर्वथा भिन्न हैं। इन दो कालजयी कृतियों से इस कथा का साम्य मात्र यह है कि उनकी ही तरह यह भी एक प्रेम कथा है। श्रद्धा एक सामान्य मध्यवर्गीय परिवार की लड़की है और बचपन से ही उसका साथी है घर के सामने वाली फुटपाथ पर स्थित पीपल का एक पेड़ जिससे वह हमेशा अपना सुख-दुख बाँटती है। उसका एक और साथी है मनु, जिसके साथ खेलते हुए वह बड़ी होती है। बचपन का यह पारस्परिक स्नेह युवा होने पर कब उन्हें एक-दूसरे के लिए अपरिहार्य बना देता है, उन्हें पता ही नहीं चलता। मनु और श्रद्धा का प्रेम-संबंध उच्च जाति के करोड़पति कोठारी परिवार को रास नहीं आता है। कोठारी परिवार श्रद्धा से दूर करने के लिए मनु को पढ़ाई के बहाने विदेश भेज देता है। इधर श्रद्धा भी मनु के प्रोत्साहन से मेडिकल प्रवेश परीक्षा में पूरे दिल्ली प्रदेश में टॉप कर M.B.B.S. में दाख़िला ले लेती है। छः वर्षों बाद जब मनु भारत लौटता है तब वह एयरपोर्ट से पहला फोन श्रद्धा को ही करता है... श्रद्धा जो उस समय तिपहिया ऑटो से ड्यूटी पर अस्पताल जा रही थी, मनु का फोन रिसीव करती है और बताती है कि उसे अस्पताल से अति-आपातकालीन कॉल पर तुरंत बुलाया गया है। फिर श्रद्धा यह कहकर फोन काट देती है कि अस्पताल आ गया है, और हमारे सभी सीनियर डॉक्टर गेट पर ही एकत्र हैं। दूसरी तरफ मनु को भी एयरपोर्ट पर रोक लिया जाता है, और उसके बंगले पर होनेवाली उसकी वेलकम पार्टी भी रद्द कर दी जाती है| यही वह काला क्षण था जब यह पता चलता है कि कोरोना महामारी अनेक देशों की तरह भारत में भी दस्तक दे चुकी है। विधि की विडंबना देखिए कि जिस मनु को श्रद्धा से दूर रखने के लिए मनु के परिवार ने लाखों साजिशें कीं, वही मनु कोरोना संक्रमित होकर उसी कोरोना वार्ड में भेज दिया गया जिसकी इंचार्ज डाक्टर श्रद्धा सरन ही होती हैं। बॉडी शील्ड और मेडिकल कवच में रखे गये मनु को श्रद्धा तीन दिन बाद पहचान पाती है, लेकिन तब तक मनु 'श्रद्धा-श्रद्धा' फुसफुसाते हुए कोमा में चला जाता है | यहाँ से कहानी एक नया मोड़ लेती है। शीर्षक " पीपल पर घोंसले नहीं होते !" पढ़कर ही उपन्यास के प्रति गहरा आकर्षण उत्पन्न होता है और पूरी किताब पढ़ कर समझ आता है शीर्षक का मर्म। बहरहाल शुरुआती कुछ पृष्ठों में ही कहानी का इंद्रजाल पाठक को अपने प्रभाव में ले लेता है और शीघ्र ही पाठक स्वयं भी कहानी का हिस्सा बन जाता है। लेखक अभिलाष अवस्थी की प्रेक्षण क्षमता अद्भुत है और स्थितियों का यथार्थ एवं जीवंत चित्रण उनकी विशेषता। सहज एवं तरल लेखनी की वजह से पात्रों के आवेगों-संवेगों में डूबता-उतराता पाठक यह वृहद् कथायात्रा कब

लेखक- अभिलाष अवस्थी

पूरी कर लेता है पता ही नहीं चलता। इसे पढ़ने के बाद पूर्व प्रोडक्शन हेड, बालाजी फिल्म व संगीतकार, प्रोड्यूसर, डाइरेक्टर राम अग्निहोत्री ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहते है" पिछले 18 सालों में, मैं बहुत सारे टीवी सीरियल और फिल्मों की मेकिंग का मुख्य हिस्सा रहा हूँ । संपूर्ण फिल्म इंडस्ट्री को अच्छी कहानी की तलाश हमेशा रहती है| ' धर्मयुग' जैसी महान पत्रिका के पत्रकार रहे अभिलाष अवस्थी से ऐसी ही मर्मस्पर्शी कहानी की अपेक्षा की जा सकती है... जो साहित्य और फिल्म की कसौटी पर समान रुप से सफल हो|कोरोना पर दुनिया के पहले उपन्यास के रुप में बेहद चर्चित हो रहे उपन्यास " पीपल पर घोंसले नहीं होते! " लेखन जगत की अनूठी और यादगार रचना है| एमेजन और अभिलाष अवस्थी जी को उपन्यास की अपार सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाओं के साथ बहुत-बहुत बधाई बधाई!

सोशल ईशु पर बेस्ड अजीत कुमार की फ़िल्म "गटर बॉय" का यूके फ़िल्म फेस्टिवल में होगा प्रीमियर

कॉमेडी फिल्म "उमाकांत पांडेय पुरुष या....?" से चर्चा में आए अभिनेता अजीत कुमार आजकल अपनी दूसरी फिल्म "गटर बॉय" को लेकर सुर्खियों में छाए हुए हैं। फ़िल्म 'गटर बॉय - ए जर्नी टू हेल' को ब्रिज इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, ग्रीस, दरभंगा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल सहित कई फिल्म समारोहों में ऑफिशियल एंट्री के रूप में चुना गया है। खास बात यह है कि इस फ़िल्म ने सर्वश्रेष्ठ निर्देशन, सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म और सर्वश्रेष्ठ कहानी की कैटगरी में अपना नामांकन हासिल किया है। और अब यूकेएएफएफ (UKAFF) फ़िल्म फेस्टिवल में गटर बॉय का प्रीमियर 28 मई को शाम 7 बजे होने जा रहा है। 58 मिनट की इस हिंदी फ़िल्म के ट्रेलर को शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है। इसके ट्रेलर की शुरुआत इस डायलॉग से होती है। "एक बार फिर म्युनिस्पल कॉर्पोरेशन के 2 कर्मचारी गटर की सफाई करते हुए मारे गए।"

निर्देशक अनुपम खन्ना बसवाल की रियलिस्टिक फ़िल्म गटर बॉय में अजीत कुमार एक गटर बॉय का चुनौतियों भरा टाइटल रोल निभा रहे हैं।

कुछ लोग अब भी अपनी रोजी रोटी कमाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालकर 'गटर' और 'नाले' की सफाई का काम करते हैं। इस फ़िल्म का केंद्रीय किरदार संदीप एक गरीब, निचली जाति के परिवार का है। वह बेहतर जीवन की आशा में बड़े शहर में चला जाता है, जहां उसे गटर क्लीनर की नौकरी दी जाती है। कुछ बदकिस्मत लोग ऐसे हैं जो इंसानों द्वारा पैदा की गई गंदगी को साफ करते हैं। संदीप भी एक ऐसा ही किरदार है। कुछ लोग कैसे अब भी अमानवीय काम करने को विवश हैं फ़िल्म उसी काले अंधेरे पर प्रकाश डालती है।गटर बॉय वाकई एक दिल को झिंझोड़ देने वाली कहानी है।

अजीत कुमार ने बताया कि मैंने लोगों को गटर की सफाई करते देखा था लेकिन कभी ऐसा करने की कल्पना नहीं की थी। फिर मैंने इसे एक चैलेंज के रूप में लिया और खुद को भूलकर सन्दीप बन गया। एक गटर के अंदर काम करने के मेरे पहले दिन ने मुझे खुद को इंसान के रूप में घृणित महसूस कराया।

गटर बॉय युवक संदीप के जीवन बदलने वाले अनुभव की कहानी है। यह फिल्म गटर में विकसित होने वाली जहरीली गैसों के कारण होने वाली मौतों के बारे में महत्वपूर्ण सवाल और मुद्दे भी उठाती है कि कैसे ये गरीब लोग सिर्फ अपने परिवार को खिलाने के लिए हर दिन अपनी जान जोखिम में डालते हैं। अजीत कुमार के लिए एक गटर बॉय का रोल निभाना काफी चैलेंजिंग था लेकिन थिएटर बैकग्राउंड से होने के कारण वह इसे सहजता से निभा पाए। अजीत कुमार सोशल इशु पर बेस्ड फिल्म गटर बॉय को इतने सारे फ़िल्म फेस्टिवल्स में जगह और नॉमिनेशन मिलने पर बेहद एक्साईटेड हैं।

अभी भी मैं जवान हूं

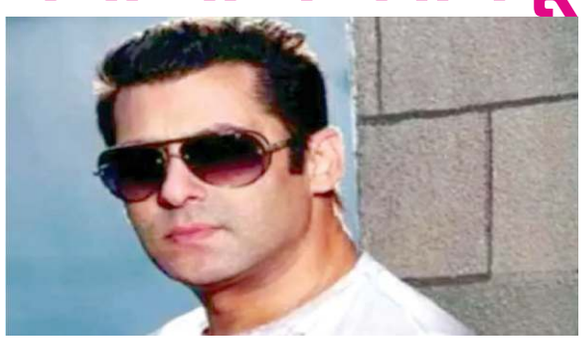

मुंबई, बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'राधे: योर मोस्ट वॉन्टेड भाई' ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज की गई। हाल ही में ईद के मौके पर रिलीज की गई इस फिल्म को लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। खासकर क्रिटिकिस की तरफ से फिल्म को निगेटिव रिव्यू दिए गए हैं। यहां तक कि फिल्म की कहानी पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। इस फिल्म को मिल रही लोगों की प्रतिक्रिया पर अब सलमान खान ने भी अपना रिएक्शन दिया है। एक इंटरव्यू में सलमान खान ने कहा है कि 'इस उम्र में मैं कम उम्र के हीरो की भूमिका निभा रहा हूं। मेरे सामने टाइगर श्रॉफ जैसी यंग जेनरेशन है। वरुण धवन, रणवीर सिंह, टाइगर श्रॉफ और आयुष शर्मा के सामने मुझे अधिक मेहनत करनी है।' सलमान ने आगे कहा, 'मैं अपने काम को ९-५ जॉब की तरह नहीं लेता, बल्कि २४ घंटे सातों दिन मेहनत करता हूं। मेरी फिल्म 'राधे' अगर दर्शकों को पसंद नहीं आती और फ्लॉप हो जाती है, तो अगली फिल्म में और मेहनत करूंगा।

काम बोलता है

मुंबई, रणबीर कपूर की बहन रिद्धिमा कपूर सहानी ने पहली बार स्टारकिड्स और नेपोटिज्म पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। रिद्धिमा ने एक इंटरव्यू में कहा, 'आदमी का काम ही उसे बनाता या बिगाड़ता है। रणबीर, करिश्मा, करीना स्टार किड्स हैं, लेकिन उनका काम बोलता है। उनकी सक्सेस उनके टैलंट की वजह से आई है। रिद्धिमा ने कहा, 'वे सुपरस्टार्स हैं क्योंकि वे जो कर रहे हैं, उसमें बेहतरीन हैं। स्टार किड को भी लाइफ में कुछ करना ही होता है। रिद्धिमा ने कहा कि लोग उन पर सुविधाओं के साथ पैदा होने का आरोप लगाते हैं, फिर यह मैटर नहीं करता कि क्या जॉब उन्होंने चुनी है।'

महामारी की मार... टिस्का बनी मददगार टिस्का चोपड़ा

मुंबई, बॉलीवुड की उन गिने-चुने लोगों में से एक रही हैं, जो इस कोरोना संकट के दौरान लोगों की मदद के लिए आगे आई हैं। वे प्रंटलाइन वर्कर्स के लिए भोजन दान और वितरण करके लोगों की मदद कर रही हैं और उनके इस नेक कार्य से उनके माता-पिता भी जुड़े हैं। टिस्का चोपड़ा ने जरूरतमंद लोगों को चावल के पैकेट दान करने के लिए इंडिया गेट राइस और विकास खन्ना के चैरिटी संगठन के साथ सहयोग किया है।

हाय-हाय गर्मी

मुंबई, कोविड-१९ महामारी से परेशान लोगों पर मौसम के गर्म मिजाज की दोहरी मार पड़ रही है। इस गर्मी को बोल्ड और खूबसूरत अभिनेत्री शेफाली जरीवाला और बढ़ाती नजर आईं। 'बिग बॉस १३' फेम शेफाली जरीवाला अपने हॉट और बोल्ड लुक के कारण सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में शेफाली ने अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में शेफाली रेड बिकिनी में पूल में मस्ती करती नजर आ रही हैं। इस दौरान उनका डॉगी पग भी उनके साथ है। तस्वीरें शेयर करते हुए शेफाली ने लिखा- 'गर्मी का मजा चखने का समय आ गया है।' शेफाली की इन तस्वीरों को लोग खूब लाइक कर रहे हैं।

माही पर मरती हैं मंदाना

मुंबई, साउथ फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के वैसे तो लाखों चाहनेवाले होंगे। लेकिन खुद रश्मिका भी किसी पर मरती हैं। ये खबर रश्मिका को पाने की चाह रखनेवाले उन दीवानों के लिए जोर का झटका साबित हो सकता है। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहनेवाली रश्मिका ने खुद इसका खुलासा हाल ही में एक लाइव चैट के दौरान किया। फिल्म इंडस्ट्री और क्रिकेटरों के रिलेशन की खबरें तो फैंस के लिए आम मानी जाती हैं लेकिन रश्मिका ने यह कहकर लोगों को चौंका दिया कि वो टीम इंडिया के पूर्व कप्तान एमएस धोनी उर्फ माही पर मरती हैं। क्योंकि माही लंबे समय से क्रिकेट से दूर हैं और आज विराट कोहली, रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी छाए हैं। लेकिन फिर भी रश्मिका मंदाना ने खुद को माही का जबरदस्त फैन बताया। रश्मिका ने धोनी को बेहतरीन क्रिकेटर करार देते हुए कहा कि मैं क्या कहूं, धोनी की बल्लेबाजी, कप्तानी, विकेटकीपिंग सब लाजवाब है। वह मास्टर क्लास प्लेयर हैं। वह मेरे हीरो हैं।

साथी हाथ बढ़ाना

मुंबई, गुजरात और महाराष्ट्र में जबरदस्त तबाही मचानेवाले तूफान तौकते के कारण अभिनेत्री दिव्या दत्ता को भी खासी परेशानी सहनी पड़ी। एक मशहूर वेबसाइट से बातचीत में दिव्या ने कहा, 'न बिजली थी, न वाईफाई। हम एक दूसरे से डिस्कनेक्ट हो गए थे, ऐसे समय में जब हमें वास्तव में एक दूसरे के साथ जुड़े रहने की आवश्यकता होती है। यहां सब कुछ बिखर रहा था।' दिव्या दत्ता ने यह भी कहा, 'जब कोई संकट आता है तो यह हमें एक साथ भी लाता है। उससे बचने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि आप एक-दूसरे का हाथ थाम लें।

'हम आपके हैं कौन' के संगीतकार रामलक्ष्मण का निधन, बीते कुछ समय से थे बीमार

मशहूर संगीतकार रामलक्ष्मण का निधन हो गया है। शनिवार की सुबह उन्होंने नागपुर में अंतिम सांस ली। रामलक्ष्मण पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे।

करीब 75 फिल्मों में दिया संगीत

रामलक्ष्मण का असली नाम विजय पाटिल था। उन्होंने करीब 75 फिल्मों में संगीत दिया है। इनमें हिंदी के अलावा मराठी और भोजपुरी फिल्में हैं। पहले रामलक्ष्मण 'लक्ष्मण' के नाम से जाने जाते थे। उनके साथ राम की जोड़ी थी और हिंदी सिनेमा जगत में राम-लक्ष्मण मिलकर संगीत देते थे। साल 1976 में फिल्म 'एजेंट विनोद' (1977) में गाना गाने के बाद अचानक राम का निधन हो गया। इसके बाद लक्ष्मण ने अपना पूरा नाम रामलक्ष्मण रख लिया।

सूरज बड़जात्या के साथ जमीं जोड़ी सूरज बड़जात्या के साथ मिलकर रामलक्ष्मण ने कई हिट दिए।

1988 में फिल्म 'मैंने प्यार किया' से उन्हें बड़ा ब्रेक मिला। फिल्म के गाने सुपरहिट रहे। बाद में उन्होंने सूरज बड़जात्या की फिल्म 'हम आपके हैं कौन' (1994) और 'हम साथ साथ हैं' (1999) में संगीत दिया।

इन फिल्मों में दिया संगीत

रामलक्ष्मण की मुख्य फिल्मों में 'मैंने प्यार किया', 'पत्थर के फूल', '100 डेज', 'प्रेम शक्ति', 'मेघा', 'तराना', 'हम आपके हैं कौन' और 'हम साथ साथ हैं' सहित अन्य हैं।

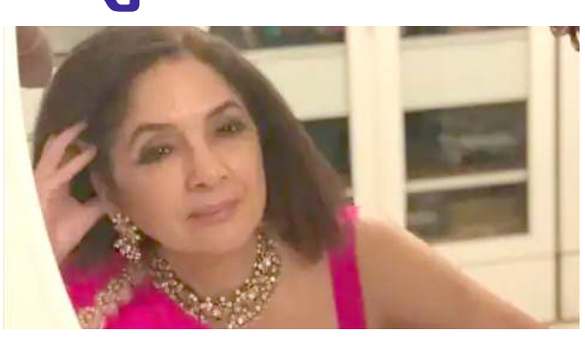

नीना गुप्ता की ऑटोबायोग्राफी हुई पूरी, बोलीं- बॉलीवुड में मेरे खट्टे-मीठे अनुभव का भी जिक्र है

बॉलीवुड एक्ट्रेस नीना गुप्ता अपनी ऑटोबायोग्राफी "सच कहूं " को लॉन्च करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस बात की जानकारी देते हुए नीना अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें उन्होंने बताया है कि वह पिछले एक साल से इसे लिख रही थीं, लेकिन अब पूरी हो गई हैं और अब प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध है। नीना ने अपने वीडियो संदेश में कहा, "मैंने सोचा कि इस समय जब हम एक बेहद मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। हम निराश और घबराएं हुए हैं, ऐसे समय में शायद मेरी पुस्तक आपको कुछ सुकून दे सके।" नीना की इस ऑटोबायोग्राफी में उनकी पर्सनल लाइफ, कास्टिंग काउच, फिल्म उद्योग की राजनीति इत्यादि को लेकर काफी कुछ लिखा गया है। बॉलीवुड में मेरे खट्टे-मीठे अनुभव का भी जिक्र है

अपनी ऑटोबायोग्राफी को लेकर नीना ने कहा, 'मैंने इसमें बचपन से लेकर अभी तक की जिंदगी को समेटने की कोशिश की है, जहां मैंने परिवार, दोस्त, करियर और शादी के बारे में लिखा है। इसमें बॉलीवुड में मेरे खट्टे-मीठे अनुभव का भी जिक्र है।' ऑटोबायोग्राफी के टाइटल पर नीना ने कहा, "मैं इंस्टाग्राम पर एक वीडियो सीरीज किया करती थी, जिसका नाम 'सच कहूं तो' है, वो सबको बहुत पसंद आती थी तो मैंने सोचा चलो यही नाम रख लेते हैं।"

अफोर्डेबल मास हाउसिंग में करियर

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

सरकार विभिन्न स्तरों पर किफायती आवास प्राप्त करने की दिशा में काम कर रही है। अफोर्डेबल मास हाउसिंग में समुदायों की डिजाइनिंग, योजना, प्रबंधन और विकास शामिल है। विकास को जनभागीदारी, सीरियल लर्निंग, आत्मनिर्भरता, क्षमता निर्माण, सशक्तिकरण और स्थिरता के साथ शुरू होने वाले चरणों में देखा जा सकता है। आवास विकास का अर्थ है रहने योग्य, स्थिर और टिकाऊ, सार्वजनिक और निजी आवासीय वातावरण की स्थापना और रखरखाव। लोगों को सुरक्षित कार्यकाल के साथ स्थायी आवासीय संरचनाओं तक आसान पहुंच प्रदान की जानी चाहिए, आंतरिक और बाहरी गोपनीयता सुनिश्चित करना और हानिकारक तत्वों के खिलाफ पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करना।

विकास में पीने योग्य पानी, पर्याप्त स्वच्छता सुविधाएं और घरेलू ऊर्जा आपूर्ति का प्रावधान भी शामिल है। एकीकृत विकास योजना में नियामक निकाय और संवैधानिक ढांचे के भीतर काम करने वाली सार्वजनिक भागीदारी शामिल है। किफायती आवास की डिजाइनिंग वास्तुकला की उप शाखाओं में से एक है। इसमें जनसांख्यिकीय के साथ-साथ भौतिक जानकारी वाले समुदायों और क्षेत्रों का सर्वेक्षण शामिल है,

इसमें व्यक्तिगत इकाइयों, भवनों, समूहों, खुले स्थानों, सुविधाओं, आंतरिक सड़कों और हरित क्षेत्रों सहित सूक्ष्म नियोजन शामिल है। किफायती जन आवास का लक्ष्य न केवल आवास डिजाइन परिणामों से संबंधित है, बजटीय और सौंदर्य आयामों को बनाए रखता है बल्कि इसमें शारीरिक और सामाजिक रूप से समाज की भावना भी शामिल है।

किफायती सामूहिक आवास में एक वास्तुकार विशेषज्ञ भौतिक पर्यावरण और समुदायों के बीच एक इंटरफेस के रूप में कार्य करता है।

किफायती मास हाउसिंग में एक आर्किटेक्ट का दायरा, किफायती सामूहिक आवास में एक विशेषज्ञ का दायरा क्लस्टर की एक इकाई की योजना बनाने से लेकर संपूर्ण सामुदायिक योजना तक है। एक वास्तुकार, सरकारी संगठनों जैसे म्हाडा, हुडको, सिडको, एसआरए, निजी संस्थाओं या विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के लिए काम कर सकता है, जो किफायती आवास के क्षेत्र में शामिल हैं। वे किफायती आवास परियोजनाओं पर अधिकारियों के रूप में सरकारी कार्यालयों में भी शामिल हो सकते हैं। वे सीबीआरआई, एसईआरसी, लॉरी बेकर, अन्ना विश्वविद्यालय, विकास विकल्प, कॉस्ट फोर्ड, ऑरोविले जैसी लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों के उत्पादन में शामिल विभिन्न निर्मिति केंद्रों या अनुसंधान प्रयोगशालाओं में शामिल हो सकते हैं। केंद्र और बीएमटीपीसी। अधिक जानकारी के लिए आप संस्थान की वेबसाइट tsap.mumbai.in पर जा सकते हैं

लॉकडाउन खुलेगा या अभी जारी रहेगी सख्ती? जानें राज्य सरकारों का क्या है मूड

कोरोना वायरस के मामलों में लगातार गिरावट के बीच कुछ राज्य लॉकडाउन में रियायत देने की सोच रहे हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तो साफ कह दिया है कि हम 'अनंतकाल तक बंद नहीं रख सकते।' वहां 1 जून से अनलॉक की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इसके अलावा दिल्ली, उत्तर प्रदेश समेत ऐसे राज्यों में जहां कोविड-19 के मामले लगातार कम हो रहे हैं और पॉजिटिविटी रेट 5% से नीचे है, वे लॉकडाउन में राहत दे सकते हैं।

हालांकि मध्य प्रदेश के अतिरिक्त अभी किसी राज्य ने स्पष्ट रूप से लॉकडाउन खत्म करने की घोषणा नहीं की है। केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, राजस्थान जैसे राज्यों में लॉकडाउन बढ़ा दिया गया है। आइए जानते हैं कि लॉकडाउन को लेकर विभिन्न राज्य सरकारों का क्या मूड है।

केंद्र सरकार ने अनलॉक में क्या छूट दी थी?

भारत सरकार ने पिछले साल 25 मार्च से 31 मई तक लॉकडाउन किया था। 1 जून से चरणबद्ध तरीके से अनलॉक की प्रक्रिया शुरू की गई थी। जून के दूसरे हफ्ते से शॉपिंग मॉल, धर्मस्थलों, होटल, रेस्तरां को खोलने की परमिशन दी गई थी। बड़े समारोहों पर अब भी रोक थी मगर राज्यों के बीच ट्रेवल पर रोक नहीं लगाई गई थी। सभी इलाकों में रात 9 बजे से सुबह 5 बजे तक नाइट कर्फ्यू रहता था। राज्य सरकारों को जरूरत के हिसाब से प्रतिबंध लगाने की छूट थी।

दिल्ली में लॉकडाउन से जल्द मिल सकती है छूट

लॉकडाउन में छूट को लेकर दिल्ली के उप-राज्यपाल अनिल बैजल और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बीच वीकेंड पर बात होगी। सीएम केजरीवाल ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए इस बात की जानकारी दी। दिल्ली में कोरोना वायरस का पॉजिटिविटी रेट 5% से नीचे आ गया है।

हालांकि केसेज अब भी 3,000 से ज्यादा आ रहे हैं। ऊपर से ब्लैक फंगस के मामले भी बढ़ रहे हैं। ऐसे में संभव है कि एक हफ्ता और लॉकडाउन रखा जाए। अगर स्थिति और बेहतर होती है तो दिल्ली में 1 जून से लॉकडाउन से राहत दी जा सकती है।

एमपी में 1 जून से शुरू हो जाएगी अनलॉक की प्रक्रिया

मध्य प्रदेश में 1 जून से धीरे-धीरे अनलॉक करना शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि 'हम अनंतकाल तक बंद नहीं रख सकते हैं। हमें 1 जून से धीरे-धीरे अनलॉक करना है।' यानी 1 जून से संभव है कि जिन इलाकों में संक्रमण रहेगा, सिर्फ वहां माइक्रो कंटेनमेंट जोन बनेंगे। बाकी जगह सामान्य गतिविधियों की अनुमति दी जा सकती है।

उत्तर प्रदेश में भी 1 जून से राहत के आसार

उत्तर प्रदेश में कोविड-19 के चलते लॉकडाउन को मई अंत तक जारी रखा जा सकता है। फिलहाल 24 मई की सुबह 7 बजे तक आंशिक कोरोना कर्फ्यू रहेगा। हालांकि राज्य में कोविड-19 के मामलों की संख्या लगातार कम हो रही है। राज्य में पॉजिटिविटी रेट 3% से कम है। राज्य में शुक्रवार को 7,735 नए मामले सामने आए थे। संभव है कि राज्य सरकार अगले हफ्ते भी पाबंदियां लागू रखे और डेली केसेज का आंकड़ा 5,000 से कम होने पर 1 जून से थोड़ी राहत दे।

महाराष्ट्र सीएम ने किया लॉकडाउन में थोड़ी छूट का इशारा

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने लॉकडाउन में थोड़ी छूट के संकेत देते हुए कहा कि इस बारे में समीक्षा बैठक के दौरान फैसला होगा। उन्होने कहा कि पिछले महीने की तुलना में कोरोना के मरीजों की संख्या कम हुई है, लेकिन ऑक्सिजन की आवश्यकता वाले मरीजों की संख्या कम नहीं हो रही है। ठाकरे ने कहा कि महामारी काबू में है मगर सरकार ने पहली लहर से कुछ सबक सीखे हैं।

सीएम ने कहा, "पिछली बार हमने वायरस संक्रमण पर काबू पा लिया था मगर छूट देते ही केसेज तेजी से बढ़े। ऐसे में अभी प्राथमिकता नागरिकों की सुरक्षा है।" उन्होंने लोगों से लापरवाही न बरतने की अपील की।

बिहार में अभी जारी रह सकता है लॉकडाउन

हिंदी पट्टी के एक और प्रमुख राज्य बिहार में भी लॉकडाउन को आगे बढ़ाया जा सकता है। नीती कुमार की सरकार जून के पहले हफ्ते तक लॉकडाउन को बढ़ाने की घोषणा कर सकती है। राज्य में 5 मई के बाद से लॉकडाउन लागू है। पिछले कुछ दिन से राज्य में कोविड मामलों में गिरावट देखी जा रही है।

राजस्थान सीएम भी कर सकते हैं लॉकडाउन बढ़ाने का ऐलान

राजस्थान में 31 मई या 10 जून तक लॉकडाउन को आगे बढ़ाने का फैसला हो सकता है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में राज्य कैबिनेट की एक मुलाकात शनिवार को होनी है। सीएम ने तो लॉकडाउन बढ़ाने के संकेत दिए हैं, साथ ही हेल्थ एक्सपर्ट्स भी अभी लॉकडाउन जारी रखने की जरूरत बता रहे हैं।

तमिलनाडु में हफ्ते भर के लिए बढ़ा दिया लॉकडाउन

तमिलनाडु में 10 मई से ही पूरी तरह लॉकडाउन है। तमिलनाडु में बिना किसी रियायत के लॉकडाउन को एक हफ्ते के लिए बढ़ा दिया गया है। पहले से जिन चीजों की इजाजत थी, केवल उन्हीं गतिविधियों की छूट होगी। प्राइवेट और सरकारी बसों को केवल आज और कल चलने की छूट रहेगी।

केरल में भी 30 मई तक बढ़ाया गया लॉकडाउन

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने राज्य में कोविड-19 लॉकडाउन को 30 मई तक बढ़ाने का फैसला किया है। शुक्रवार को राज्य में करीब 30 हजार नए मामले दर्ज किए गए। केरल में टेस्ट पॉजिटिविटी रेट 23.18 है जो कि लॉकडाउन में छूट के लिए अनुमानित 5% के चार गुने से भी ज्यादा है।

कर्नाटक में 7 जून तक के लिए बढ़ा लॉकडाउन

कर्नाटक सरकार ने राज्य में लॉकडाउन को 7 जून की सुबह 6 बजे तक के लिए बढ़ा दिया है। मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। राज्य सरकार ने 10 मई से पूरी तरह लॉकडाउन कर दिया था। वर्तमान पाबंदियों में किसी तरह की छूट नहीं दी जाएगी।

सीएम ने यह भी कहा कि अगर कोई लॉकडाउन के नियमों का पालन नहीं करता है तो पुलिस उसके खिलाफ ऐक्शन लेगी। कर्नाटक में 5 लाख से ज्यादा ऐक्टिव केस हैं जिनमें से करीब तीन लाख केसेज अकेले बेंगलुरु में हैं।

बार्ज P305 के 60 लोगों के शव बरामद, लापता लोगों की तलाश जारी

मुंबई. चक्रवाती तूफान टाउते के गुजर जाने के बाद उससे हुए नुकसान का आकलन जारी है. टाउते ने सबसे ज्यादा तबाही मचाई मुंबई के पास के समंदर में. यहां एक बार्ज P305 तूफान की चपेट में आकर एंकर से अलग हो गया और भटककर पानी में डूब गया. इस हादसे में कई लोगों की जान चली गई. नौसेना ने अब तक हादसे में जान गंवाने वाले 60 लोगों के शव बरामद कर लिए हैं. जो लोग अब भी लापता हैं, उनके लिए सर्च एंड रेस्क्यू अभियान जारी रखा गया है. तूफान टाउते के आने के बाद बार्ज पर मौजूद लोगों ने समंदर में कूदकर अपनी जान बचाने की कोशिश की. दुर्घटना के वक्त बार्ज पर सवार ज्यादातर लोगों ने लाइफ जैकेट पहन रखी थी. ऐसे में नौसेना को चार दिन बाद भी उम्मीद थी कि कुछ लोग जिंदा तैरते पाए जा सकते हैं. हालांकि वक्त बीतने और शवों के मिलने के साथ ही ये उम्मीद धूमिल होती जा रही है. बार्ज में सवार थे 261 लोग तूफान के दौरान समंदर के बीच फंसे बार्ज P-305 में हादसे के वक्त कुल 261 लोग सवार थे. नौसेना के सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन में 186 लोगों को बचाया जा सका है, जबकि 60 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं. अब भी जो लोग लापता हैं, उनके लिए भारतीय नौसेना और कोस्टगार्ड लगातार जुटे हुए हैं. नौसेना ने पानी के भीतर खोजबीन करने वाले जहाज सुरवे (Survey) के जरिए समुद्र में डूबे बार्ज P-305 और टग बोट वराप्रदा के मलबे को तलाश करने की योजना बनाई जिसके लिए विशेष टीम और उपकरणों का इस्तेमाल किया जाएगा. खराब मौसम के बाद भी नहीं रुका अभियान टाउते तूफान गुजरने के बाद भी मौसम पर इसका असर दिखाई दे रहा है. हालांकि भारतीय नौसेना और कोस्टगार्ड विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए हुए हैं और रेस्क्यू अभियान को नहीं रोका. रात में भी सेना सर्चलाइट के जरिये समुद्री लहरों पर नजर बनाए हुए है, ताकि किसी भी शख्स को ढूंढा जा सके.

चीनी कैबिनेट की बैठक:कमोडिटी के दाम नियंत्रण में लेने का प्रस्ताव; भारत पर असर, स्टील कंपनियों के शेयर टूटे

चीन की कैबिनेट में कमोडिटी की कीमतों का नियंत्रण में लेने के प्रस्ताव आया है। इससे गुरुवार को भारत की स्टील कंपनियों के शेयर में भारी गिरावट देखी गई। चीन की कैबिनेट ने बुधवार की बैठक में स्टील समेत तमाम कमोडिटी की आसमान छूती कीमतों पर चिंता जताते हुए इसका नियंत्रण अपने हाथ में लेने की बात की थी। हालांकि, इस बारे में किसी नीति को मंजूरी नहीं दी गई है। चीन कोयला, स्टील, आयरन ओर व कॉपर का दुनिया में सबसे अधिक खपत करने वाला देश है। चीन में स्टील की कीमतें बीते एक हफ्ते में 8-10 फीसदी तक चढ़ी हैं। विश्लेषकों के मुताबिक, स्टील और आयरन ओर की आसमान छूती कीमतों से चीन की सरकार चिंतित है।

बहरहाल, चीनी कैबिनेट में आए प्रस्ताव ने मेटल मार्केट में धड़कनें बढ़ा दी हैं। खबर के बाद गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में स्टील कंपनियों के शेयरों में मुनाफा वसूली बढ़ गई। बीएसई का मेटल इंडेक्स सबसे अधिक 3.62 प्रतिशत गिरावट के साथ बंद हुआ। सेल का शेयर सबसे अधिक 5.48% गिरकर बंद हुआ।

इसके बाद टाटा स्टील में 5.11% और जिंदल स्टील में 4.89% और हिंडाल्को के शेयर में 4.50% की गिरावट रही। स्टील इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों का कहना है कि यदि चीन कीमतों पर नियंत्रण लगाता है तो इससे भारतीय कंपनियों को ज्यादा असर नहीं पड़ेगा।

सिर्फ गरारा करने से हो जाएगा कोरोना टेस्ट, आईसीएमआर ने भी दी मंजूरी

मुंबई, राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (नीरी) ने कोरोना के टेस्ट का एक ऐसा तरीका खोज लिया है, जिसमें सिर्फ गरारा करके किसी भी व्यक्ति का सैंपल लिया जा सकेगा। इसके लिए अब गले या नाक में रूई लगी सलाई डालने की जरूरत नहीं रहेगी। कोरोना टेस्ट की इस पद्धति को आईसीएमआर ने मंजूरी भी प्रदान कर दी है।

क्या है स्टेराइल सैलाइन गार्गल टेक्निक सीएसआईआर की एक घटक प्रयोगशाला नागपुर स्थित नीरी ने एक ऐसा द्रव्य तैयार किया है, जिसे मुंह में लेकर 15-20 सेकेंड गरारा करके एक शीशी में रख लिया जाता है। गरारा किए इसी द्रव्य को लैब में ले जाकर उसका परीक्षण करने से व्यक्ति के कोरोना संक्रमित होने या न होने का पता चल जाता है। इसे स्टेराइल सैलाइन गार्गल टेक्निक नाम दिया गया है। नीरी का दावा है कि इस पद्धति से टेस्ट करना आसान हो जाएगा। इसमें सैंपल रखने के लिए सिर्फ एक शीशी एवं द्रव्य की जरूरत पड़ेगी। एवं इसका परिणाम आरटी-पीसीआर टेस्ट जैसा ही विश्वसनीय भी होगा। रुई लगी सलाई के जरिए नाक एवं मुंह से निकाले जाने वाले सैंपल की भांति इसमें स्वैब कम मिलने का खतरा नहीं है। सलाई से निकाले गए सैंपल को लैब तक पहुंचाने की मुश्किल भी इसमें नहीं है। सलाई से लिए जाने वाले सैंपल को एक ट्रांस्पोर्ट मीडिया सोल्यूशन की जरूरत पड़ती है। उसे एक निश्चित तामपान पर ही लैब तक पहुंचाना जरूरी होता है। जबकि स्टेराइल सैलाइन गार्गल टेक्निक में गरारा करके लिया गया नमूना सामान्य तामपान पर भी लैब तक पहुंचाया जा सकता है। यह तकनीक सस्ती भी है जानकारों का मानना है कि एक सरकारी लैब द्वारा खोजी गई यह पद्धति भारत जैसे बड़ी आबादी वाले देश में बहुत कारगर हो सकती है। क्योंकि इस पद्धति से लिए गए नमूनों को एक साथ एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना ज्यादा मुश्किल नहीं होगा। यह तकनीक संसाधनों की कमी वाले ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक लाभप्रद हो सकती है। देखा गया है कि अभी प्रचलित एंटीजेन टेस्ट या आरटी-पीसीआर तकनीक में टेस्ट कराने वाला व्यक्ति अक्सर नाक एवं मुंह में रुई लगी सलाई डलवाने से डरने लगता है। जिसके कारण वह टेस्ट करवाने से ही कतरा जाता है। प्रचलित तकनीक महंगी भी है। लेकिन नीरी द्वारा खोजी गई स्टेराइल सैलाइन गार्गल टेक्निक को कोई भी व्यक्ति बिना डरे अपना सकता है, और यह तकनीक सस्ती भी है।

100 % Wheat
100 % Wheat
KAANT FOODS®
Manufacturer of Khakhra & Dry Bhakri in Various Flavor
Khakhra & Dry Bhakri is a thin cracker common in the Gujarati and Rajasthani cuisines of western India, especially among Jains. It is made from mat bean, wheat flour and oil. It is served usually during breakfast. Khakhras are individually hand-made and roasted to provide a crunchy and healthy snack that can be enjoyed with a selection of spicy pickles and sweet chutneys.
20, 1st Floor, Sarvodaya Soceity, Opp. Hotel Oasis, Nr. Umiya Dham Temple, Surat-395006. Gujarat, India.
Email : kaantfoods@gmail.com Mob : 9825770072
Web : www.kaantfoods.com

॥ શ્રી ગણેશાય નમઃ ॥ ॥ શ્રી૧ ॥ ॥ જય ખોડીયાર માં ॥
Chintan Jiyani 99040 77991
Kishan Kyada 99040 77990
Jay Kuber CONSULTANCY
PERSONAL LOAN
CONSUMER LOAN
HOME LOAN
MORTGAGE LOAN
CAR LOAN
MUDRA LOAN
INSURANCE
PANCARD
jaykuber1997@gmail.com
D-2080, 2nd Floor, Central Bazar, opp Varachha Police Station, Minibazar, Varachha, Surat

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाइटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।